महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 270 | उज्जैन, शुक्रवार 13 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

संस्कार संबंधों को टूटने नहीं देता है और अहंकार संबंधों को जुड़ने नहीं देता है

न्यूज ब्रीफ

तीसरी आंख से होगी निगरानी, गांवों के संवेदनशील क्षेत्रों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली/ जीएनएस। ग्रामीण क्षेत्रों में घूंघट की ओट से निकलकर और पितृसत्तात्मक अवधारणा की संकुचित देहरी लांघकर महिलाएं किस तरह राजनीतिक क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही हैं, उसे यह आंकड़े पुष्ट करते हैं कि देश के कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में उनकी भागदारी 46 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसके बावजूद तमाम अध्ययन यह इशारा कर चुके हैं कि खास तौर पर ग्रामीण महिलाओं में अब भी संकोच है, असुरक्षा की भावना है और आत्मविश्वास की कमी है। चूंकि पंचायतीराज मंत्रालय के राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान में अभी तक महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कोई प्रविधान नहीं है, इसलिए पहली बार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्भया फंड से निर्भय रहो प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी गई है। इसके तहत गांवों के संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित लैंगिक भेदभाव खत्म करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। निर्भय रहो प्रोजेक्ट के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 752.26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। नोडल मंत्रालय पंचायतीराज मंत्रालय होगा, क्योंकि यह परियोजना पंचायत स्तर पर लागू की जानी है। इस प्रोजेक्ट के तीन घटक हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि गांवों के संवेनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाकर महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्र के रूप में वह स्थान चिन्हित किए जाएंगे, जहां किसी न किसी काम से महिलाओं को जाना होता है और वहां सामान्य आवाजाही कम होती है यानी सुनसान क्षेत्र।

पीएम भी बोलने की अनुमति लेते हैं, नियमों से ही चलेगा सदन- स्पीकर ओम बिरला की दो टूक

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के एक दिन बाद स्पीकर ओम बिरला ने स्पष्ट संकेत दिया कि सदन की कार्यवाही नियमों और प्रक्रियाओं के तहत ही चलेगी। करीब एक महीने बाद कुर्सी पर लौटे बिरला ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि सदन में चाहे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों या नेता प्रतिपक्ष, किसी को भी नियमों से अलग बोलने का अधिकार नहीं है। यहां तक कि वक्तव्य देने से पहले प्रधानमंत्री को भी नोटिस देना पड़ता है। किसी दस्तावेज को सदन के पटल पर रखने के लिए भी पूर्व अनुमति जरूरी होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सदन की गरिमा और अनुशासन बनाए रखने के लिए यदि कठोर फैसले लेने पड़ें तो भी वह परहेज नहीं करेंगे। बिरला ने कहा कि लोकसभा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे सदन की संस्था है और स्पीकर की कुर्सी उसकी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। इसलिए कार्यवाही व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक दबाव से नहीं, बल्कि स्थापित नियमों के अनुसार संचालित होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये नियम उन्होंने नहीं बनाए हैं, बल्कि परंपरा से उन्हें विरासत में मिले हैं और उनका दायित्व केवल इन्हें निष्पक्षता से लागू करना है। सदन में हाल में हुई कुछ घटनाओं पर चिंता जताते हुए बिरला ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा के दौरान विपक्ष की कुछ महिला सदस्य वेल में आकर प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास तक पहुंच गई थीं। ऐसी स्थिति में कोई अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। इसी कारण उन्होंने उस समय सदन के नेता से आग्रह किया था कि वे सदन में न आएं। अविश्वास प्रस्ताव पर दो दिन चली चर्चा का जिक्र करते हुए स्पीकर ने कहा कि कुछ सदस्यों ने आसन की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने विचार रखे, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने हमेशा संतुलन बनाए रखने और सभी पक्षों को बोलने का अवसर देने का प्रयास किया है। विपक्ष की ओर से बार-बार लगाए गए माइक बंद करने के आरोपों पर भी बिरला ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि माइक का स्विच उनके पास नहीं होता। जिस सदस्य को बोलने की अनुमति मिलती है, उसी का माइक तकनीकी रूप से चालू किया जाता है, इसलिए इस व्यवस्था को व्यक्तिगत हस्तक्षेप से जोड़ना उचित नहीं है। सदन में बोलने के अधिकार को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा कि सदस्यों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन यह नियमों के दायरे में ही है। किसी सदस्य को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी भी समय और किसी भी विषय पर बोलने लगे। बोलने की अनुमति कार्यसूची और आसन की स्वीकृति के आधार पर ही दी जाती है। बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में हर आवाज सुनी जाती है, लेकिन उसके लिए अनुशासन और मर्यादा जरूरी है। संसद केवल बहस का मंच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं का प्रतीक है। इसलिए सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे सदन की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें। लोकसभा की उपलब्धियां पूरे सदन की सामूहिक होती हैं। सदन की कार्यवाही में विश्वास और सहयोग का माहौल बना रहे, इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा, यही लोकतंत्र की मजबूती का आधार है।

प्रदेश में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं-निर्बाध आपूर्ति रहेगी जारीः मुख्यमंत्री

एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण पर फोकस

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान में मिडिल ईस्ट-एशिया में युद्ध की स्थितियों के संदर्भ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रीगण सजग हैं। नागरिकों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर कालाबाजारी रोकने के लिए पूरे प्रबंधन किए गए हैं। नागरिकों को रसोई गैस संबंधी परेशानी नहीं होगी। प्रदेश में घरेलू रसोई गैस सहित पीएनजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक गतिविधियों के कारण से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के संबंध में वर्तमान स्थितियों में अभी तक अधिकांश कच्चे तेल की आपूर्ति स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होती थी, जिसे परिवर्तित कर अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। साथ ही देश की रिफाइनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिये वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता के माध्यम से खरीदी प्रक्रिया जारी है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति बिना कटौती के हो रही है। रिफाइनरी को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे वर्तमान में एलपीजी उत्पादन में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि भी हुई है। इसके अलावा एक विशेष उपलब्धि प्राप्त हुई है कि जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले ऐसे जहाज एवं टेंकर जिनमें भारतीय फ्लेग लगे हैं उनको नहीं रोका जाएगा, यह एक राजनयिक विजय है, जिससे पेट्रोलियम सप्लाई में बाधा समाप्त होगी। गैस आपूर्ति प्रबंधन के लिये प्राकृतिक गैस नियंत्रण आदेश जारी किया गया है, जिससे देश में किसी भी प्रकार की घरेलू गैस की आपूर्ति में कमी न हो। उपरोक्त के अनुक्रम में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एटीएस, क्रूड ऑयल और घरेलू गैस की किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है तथा निरंतर आपूर्ति जारी है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई है। इसी के दृष्टिगत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार वरिष्ठ मंत्रियों की समिति का गठन भी किया गया है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने जिला कलेक्टर्स को दिये निर्देश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ पश्चिम-मध्य एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के दृष्टिगत एलपीजी सहित अन्य ईंधन की उपलब्धता की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीजीपी श्री कैलाश मकवाना और एसीएस श्री शिवशेखर शुक्ला एवं श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर्स से कहा कि घरेलू गैस वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को और मजबूत करें तथा इससे जुड़ी कंपनियां भी सर्वर आदि की क्षमता बढाएं जिससे रिफिल बुकिंग ओटीपी जनरेशन और वितरण बिना असुविधा के सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सुनिश्चत करें कि गलत सूचनाओं का प्रसार और अफवाहों को सख्ती से रोंके और उपभोक्ताओं तक मीडिया आदि का उपयोग कर सही सूचना पहुचाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के बीच सकारात्मक माहौल बनाए और सूचना तंत्र मजबूत कर अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी की कोई भी घटना नही हो, यह सुनिश्चत करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कई कलेक्टर्स द्वारा होटल्स, रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन आदि के संचालकों से बात कर रसोई गैस की जगह इलेक्ट्रिक भट्टी और इंडेक्शन आदि का उपयोग बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे भी वैकल्पिक और सुरक्षित ईंधन के उपयोग के प्रति नागरिकों और खानपान व्यवसाय में लगे लोगों बीच वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के प्रति जागरूकता बढाएं।

मुख्य सचिव श्री जैन ने विभिन्न शहरों में पीएनजी के कनेक्शन की जानकारी ली और कलेक्टर्स से कहा कि वे अधिकाधिक उपभोक्ताओं को पाइप लाइन गैस प्रणाली से जोड़ें। उन्होंने कलेक्टर्स से कहा कि सी एम हेल्पलाइन की शिकायतों का उसी दिन संतुष्टि पूर्वक समाधान सुनिश्चित किया जाए। डी.जी.पी. श्री मकवाना ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेट फार्म पर गलत सूचनाओं और अफवाह फैलाने वालों पर कार्यवाही करें और संपूर्ण व्यवस्था में सुरक्षात्मक इंतजाम सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि प्रदेश में एलपीजी सहित पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश के सीएनजी स्टेशन एवं पीएनजी उपभोक्ताओं के उपयोग के लिए एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश मे पेट्रोलियम/सीएनजी/पीएनजी गैस की आपूर्ति लगातार जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में एलपीजी की लगातार उपलब्धता है। शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थानों को वाणिज्यिक सिलेंडर के उपयोग की छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कलेक्टर्स से मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के लिए भी कहा है।

कांफ्रेंस में इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, सागर, धार के कलेक्टर्स सहित ग्वालियर एवं रीवा के कमिश्नर ने किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। एसीएस श्रीमती शमी ने अधिकारियों से कहा कि वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं वैकल्पिक ईंधन स्त्रोतों को अपनाने की सलाह दें। जहां पीएनजी लाइन उपलब्ध है वहां पीएनजी के कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन कामो में गैस ज्यादा खर्च होती है उनको नियंत्रित करने एवं विकल्प तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाए। जिला कलेक्टर, जिले के खाद्य नियंत्रक/अधिकारी, ऑयल कंपनी के नोडल अधिकारी तथा एलपीजी वितरकों से समन्वय कर एलपीजी की आवश्यकता तथा उपलब्धता की प्रतिदिन समीक्षा भी करें।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा- प्रदेश में घरेलू रसोई गैस की कोई कमीं नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। राज्य शासन एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण पर पूरी तरह से सतर्क है।

भारत में पहली बार स्टेम सेल थेरेपी से दो स्वस्थ बच्चों को हुआ जन्म, जगी नई उम्मीद

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में भारत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। सर गंगा राम अस्पताल के डाक्टरों ने गंभीर एशरमैन सिंड्रोम से पीड़ित दो महिलाओं में गर्भ नाल से प्राप्त स्टेम सेल थेरेपी का उपयोग कर सफल प्रसव कराए हैं।

यह अध्ययन अस्पताल के सेंटर आफ आइवीएफ एंड ह्यूमन रिप्रोडक्शन और जैव प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान विभाग के सहयोग से चल रहे क्लीनिकल ट्रायल का हिस्सा है। इस तकनीक में नाल के व्हार्टन जेली से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम सेल का उपयोग किया गया, जिन्हें हिस्टेरोस्कोपी की सहायता से सीधे गर्भाशय की भीतरी परत के नीचे इंजेक्ट किया गया। एशरमैन सिंड्रोम में गर्भाशय के भीतर गंभीर चिपकाव बन जाते हैं, जिससे गर्भाशय की गुहा आंशिक या पूरी तरह अवरुद्ध हो सकती है। यह समस्या अक्सर बार-बार गर्भाशय की सफाई, संक्रमण या सर्जरी के बाद होती है और गंभीर मामलों में गर्भधारण लगभग असंभव हो जाता है।

डाक्टरों के अनुसार स्टेम सेल को गर्भाशय की बेसल परत में इंजेक्ट किया गया, जो गर्भाशय की परत के पुनर्निर्माण के लिए जिम्मेदार होती है। इस प्रक्रिया में पहले की कई अंतरराष्ट्रीय तकनीकों की तरह किसी बायोमैटेरियल या स्कैफोल्ड का उपयोग नहीं किया गया, जिससे यह प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल और अधिक लक्षित बन गई।क्लीनिकल ट्रायल में अब तक 10 मरीजों को शामिल किया गया है।

दो महिलाओं ने बच्चे को दिया जन्म- इनमें से दो महिलाओं ने सफलतापूर्वक स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है, जबकि आठ मरीजों की निगरानी और मूल्यांकन जारी है। पहले मामले में 39 वर्षीय महिला, जिसे गर्भपात के बाद गंभीर गर्भाशय चिपकाव हो गया था, में थेरेपी के बाद मासिक धर्म और एंडोमेट्रियल मोटाई में सुधार देखा गया। इसके बाद भ्रूण प्रत्यारोपण सफल रहा और 35 सप्ताह में दो किलोग्राम वजन के स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ।

दूसरे मामले में 40 वर्षीय महिला, जिसे बार-बार गर्भपात की समस्या थी, ने उपचार के बाद 31 सप्ताह में 1.8 किलोग्राम वजन की बच्ची को जन्म दिया।डाक्टरों का कहना है कि यदि यह क्लीनिकल ट्रायल आगे भी सफल रहता है तो स्टेम सेल आधारित यह तकनीक एशरमैन सिंड्रोम से पीड़ित महिलाओं के लिए दुनिया भर में एक प्रभावी उपचार विकल्प बन सकती है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांडः सुप्रीम कोर्ट से पवन बिश्नोई और जगतार सिंह को मिली जमानत

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में दो आरोपितों पवन कुमार बिश्नोई और जगतार सिंह को जमानत दे दी है। गुरुवार को जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर यह राहत प्रदान की, जिसने पहले उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था।

पवन बिश्नोई पर हत्याकांड के लिए कार सहित रसद उपलब्ध कराने का आरोप है। वहीं, जगतार सिंह पर मूसेवाला के घर की रेकी करने में मदद करने का आरोप है। पवन के वकील ने तर्क दिया कि वह लगभग चार वर्षों से हिरासत में है और मुकदमे की समाप्ति में लंबा समय लग सकता है। जगतार के वकील ने स्पष्ट किया कि उनके घर के पास लगे कैमरे सुरक्षा के लिए थे, न कि निगरानी के लिए। बहरहाल, पंजाब पुलिस ने यह कहते हुए जमानत का विरोध किया कि आरोपित सह-आरोपितों के संपर्क में थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए राहत प्रदान की।

विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता होने के कारण प्रशिक्षण आवश्यक - सुमित मिश्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महा अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले मंडल प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा और कैलाश पीपले सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, पार्टी की नीतियों और कार्यशैली से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के बाद कई नए सामाजिक कार्यकर्ता मंडल और बूथ स्तर पर पदाधिकारी बनते हैं, ऐसे में उन्हें पार्टी की रीति-नीति, हमारे पूर्वजों के संघर्ष, सरकारों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना आवश्यक होता है, ताकि संगठन और अधिक सशक्त बन सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व में आशा का केंद्र बनकर उभरा है और भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश दोनों जगह हमारी सरकार होने के कारण जनता की अपेक्षाएं भी हमसे अधिक हैं, इसलिए उन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षित होना जरूरी है।

बैठक में नगर उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, वासुदेव पाटीदार, भूपेंद्र केसरी, भारत पारख, गौतम शर्मा, दीपेंद्र सिंह सोलंकी, दीप्ति हाडा, कंचन गिदवानी, अजय शर्मा पप्पू, नेहा शर्मा, मंजू ठाकुर, इंदु श्रीवास्तव, गुलशन यादव, नारायण पालीवाल, स्वाति कशीद, सचिन बंसल, विशाल यादव, वरुण पाल, हेमराज वाडिया, गोविंद पंवार, आकाश गर्ग रानू, नितिन शर्मा, रितेश शर्मा, दीपांश खंडेलवाल, राजा कोठारी, दीपेश पचोरी, सुखविंदर मन्नी भाटिया, सौरभ खंडेलवाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण पर जिला प्रशासन के खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 66 सिलेंडर, बुलेट मोटर साइकिल व उपकरण जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, दुरुपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की टीम ने बड़ी छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध गैस गोदाम का भंडाफोड़ किया।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू के मार्गदर्शन में गठित दल द्वारा सुबह करीब 6 बजे से निरीक्षण एवं छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान न्यू लोहा मंडी क्षेत्र में हरिओम गुप्ता के अवैध गैस गोदाम पर छापा मारा गया। छापे में 24 व्यावसायिक गैस सिलेंडर और 42 घरेलू गैस सिलेंडर सहित कुल 66 सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा गैस रिफिलिंग में प्रयुक्त तीन इलेक्ट्रिक मोटर तथा दो तौल कांटे भी मौके से जब्त किए गए।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि बड़े पैमाने पर गैस सिलेंडरों को लाने-ले जाने और रिफिलिंग के कार्य में बुलेट मोटरसाइकिल का उपयोग किया जा रहा था। टीम ने उक्त बुलेट गाड़ी को भी जब्त कर लिया। छापे के समय आरोपी मौके से फरार हो गया। दल द्वारा गोदाम में रखे समस्त सिलेंडर और उपकरण जब्त करते हुए अवैध भंडारण स्थल को सील कर दिया गया है। मामले में आवश्यक जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अंकुर गुप्ता, श्रीमती सुचित्रा दुबे और श्री अजय अस्थाना सहित विभागीय दल के अन्य सदस्य शामिल रहे।

फूड स्ट्रीट 56 दुकान पर इंडक्शन में पक रहे पोहे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वाद के शौकीनों के शहर इंदौर में इन दिनों मसालों की खुशबू पर संकट गहरा गया है। शहर के तमाम रेस्तरां में इन दिनों गैस की किल्लत की हलचल है। इस कमी ने शहर के होटल और रेस्तरां मालिकों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन इंदौर अपनी जुगाड़ और हर मुश्किल का हल ढूंढने की कला के लिए मशहूर है। बुधवार की सुबह जब कई दुकानदारों के पास गैस खत्म होने लगी और नई सप्लाई का कोई ठिकाना नहीं दिखा, तो शहर के जायके पर संकट के बादल मंडराने लगे। कई बड़े रेस्तरां के मेन्यू कार्ड से वो व्यंजन अचानक गायब हो गईं जिन्हें बनाने में ज्यादा वक्त और आंच लगती है। दुकानदार यहां-वहां से सिलेंडर का बंदोबस्त करने में जुटे रहे, लेकिन जब बात नहीं बनी तो उन्होंने तकनीक का दामन थाम लिया। देखते ही देखते छप्पन दुकान की कई दुकानों के काउंटर पर चमचमाते इंडक्शन चूल्हे नजर आने लगे।अब जो पोहा और साबूदाना खिचड़ी कल तक गैस की आंच पर तैयार होती थी, वह बिजली की ताकत से पक रही है। मसाला डोसा बनाने के लिए भी इंडक्शन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ गया है। जिन दुकानदारों के पास दो-चार सिलेंडर का स्टॉक बचा भी है, वे उसे किसी किफायद से चला रहे है। वे केवल उन्हीं चीजों के लिए गैस जला रहे हैं जिनके बिना काम चल ही नहीं सकता।

व्यापारी संघ के गलियारों में भी इसी बात की चर्चा है कि आखिर ये संकट कब तक चलेगा। बताया जा रहा है कि वैश्विक हालात और युद्ध के चलते एलपीजी की सप्लाई में यह रुकावट आई है। ऐसे में दुकानदारों ने हाथ पर हाथ धरकर बैठने के बजाय विकल्प तलाशना शुरू किया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 40 लाख से अधिक की ठगी करने वाली गुजरात की अंतरराज्यीय गैंग का फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम देने वाली गुजरात की अंतरराज्यीय गैंग के एक फरार आरोपी को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी और उसके साथियों ने इंदौर के एक 71 वर्षीय सीनियर सिटीजन से 40 लाख 70 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की थी। पुलिस ने मामले में उपयोग किए गए 23 बैंक खातों को भी फ्रीज कराया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इंदौर क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों द्वारा ऑनलाइन ठगी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान एनसीआरपी पोर्टल पर इंदौर निवासी एक सेवानिवृत्त व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 अक्टूबर 2024 को उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए मुंबई के कैनरा बैंक से 2 करोड़ 60 लाख रुपये के लेन-देन का आरोप लगाया। आरोपी ने उन्हें झूठा डर दिखाते हुए कहा कि इस ट्रांजेक्शन में उन्हें कमीशन मिला है और मामले में पुलिस व सीबीआई कार्रवाई होने वाली है।

आरोपियों ने खुद को पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के फर्जी दस्तावेज भेजे और फरियादी को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर केस से बचाने के नाम पर आरबीआई के खाते में राशि जमा करने के लिए कहा। डर के कारण फरियादी ने अपनी एफडी तुड़वाकर और बैंक खाते से अलग-अलग किश्तों में कुल 40 लाख 70 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब पैसा वापस नहीं मिला तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच इंदौर थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने पहले गुजरात से दो आरोपी हिम्मत भाई देवानी (58) निवासी सूरत और अतुल गिरी गोस्वामी (46) निवासी कच्छ को गिरफ्तार किया था। मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी पीयूष परमार निवासी सूरत को भी मुखबिर सूचना और साइबर तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 का टिकट चेकिंग लक्ष्य रतलाम मंडल ने समय से पहले किया पूरा, 24 करोड़ से अधिक राजस्व अर्जित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2025- 26 के लिए निर्धारित लक्ष्य को समय से पहले सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। मंडल ने 22.59 करोड़ रुपये के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 24 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। यह लक्ष्य रतलाम मंडल द्वारा 10 मार्च 2026 को ही प्राप्त कर लिया गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल का आंतरिक टिकट चेकिंग लक्ष्य 24 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे भी 10 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया। यह उपलब्धि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक और सहायक वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में टिकट चेकिंग स्टाफ और वाणिज्य विभाग के सतत प्रयासों, प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है।

रतलाम मंडल द्वारा लगातार सघन टिकट जांच अभियान चलाए गए, बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण किया गया और यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप न केवल रेलवे के राजस्व में वृद्धि हुई, बल्कि टिकट रहित यात्रा पर भी प्रभावी अंकुश लगा है। प्रधान कार्यालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय से पूर्व पूरा करना मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ की कार्यकुशलता और समर्पण को दर्शाता है। यह उपलब्धि कर्मचारियों को भविष्य में और अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न, 2026-27 का बजट मूलभूत सुविधाओं के लिए मील का पत्थर होगा - महापौर पुष्यमित्र भार्गव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में नगर निगम के महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त क्षितिज सिंघल, महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, अभिषेक शर्मा, नंदकिशोर पहाड़िया, राकेश जैन, राजेश उदावत, मनीष शर्मा, प्रिया डांगी सहित अपर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट आंकलन के प्रस्तुतीकरण से हुई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सुझाव प्राप्त किए गए।

बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम इंदौर के आगामी वित्तीय वर्ष 2026- 27 के बजट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि यह बजट शहर की मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से प्रत्येक झोन और वार्ड समिति के लिए 10 लाख रुपये का प्रावधान करने की स्वीकृति भी दी गई है। साथ ही भविष्य में पीपीपी और सीएसआर मॉडल के माध्यम से शहर के विभिन्न मार्केट के विकास की योजना पर भी चर्चा की गई।

बैठक में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक सड़क, सीवर चेंबर और स्टॉर्म वॉटर लाइन के निर्माण कार्य के लिए 13 करोड़ 61 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा छोटा नेहरू स्टेडियम का नामकरण छत्रपति शिवाजी स्टेडियम करने तथा निगम स्वामित्व के नेहरू पार्क और महू नाका तरण पुष्कर के किराया, सदस्यता एवं अन्य शुल्क में वृद्धि के प्रस्ताव को सैद्धांतिक सहमति दी गई।

इसके साथ ही नायता मुंडला आईएसबीटी परिसर में सीएसआर के माध्यम से सार्वजनिक सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स के निर्माण एवं संचालन-संधारण, सरवटे बेसमेंट पार्किंग और महाराजा कॉम्प्लेक्स सहित अन्य बेसमेंट पार्किंग के संचालन के लिए टेंडर जारी करने तथा शहर के फ्लायओवर और पुल-पुलियाओं के आसपास हरित क्षेत्र विकसित कर सौंदर्यीकरण करने के प्रस्तावों को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

सक्षम कार्यकर्ता से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण - जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को भाजपा कार्यालय इंदौर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत आगामी दिनों में इंदौर ग्रामीण के सभी मंडलों और बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्य बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा के नेतृत्व तथा संभाग प्रशिक्षण प्रभारी अशोक अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला प्रशिक्षण टोली के साथ सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण वर्गों के सफल आयोजन और व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने और कार्यकर्ताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझावों और व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में समय-समय पर प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया जाता है, जिससे कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यशैली और दायित्वों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि सक्षम और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन को मजबूत बनाते हैं और इसी से सशक्त राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

ई-रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए बैठक आयोजित, सेक्टर प्रणाली लागू करने पर सहमति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम पलासिया के सभागार में ई-रिक्शा संचालन व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य शरद नाईक, बैटरी ई-रिक्शा संघ के अध्यक्ष राजेश बिडकर तथा ई-रिक्शा चालकों के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में शहर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित बनाने, यातायात नियमों के प्रभावी पालन, संचालन व्यवस्था में सुधार और ई-रिक्शा चालकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि 16 मार्च को ई-रिक्शा सेक्टर प्रबंधन व्यवस्था को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

बैठक में यह भी सहमति बनी कि शहर में ई-रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए सेक्टर प्रणाली लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत यातायात पुलिस के साथ ई-रिक्शा संघ की टीम भी सेक्टर वितरण और ई-रिक्शा चालकों के साथ समन्वय स्थापित करने में सहयोग करेगी। पहले प्रस्तावित सात सेक्टरों के स्थान पर अब चार सेक्टर बनाने का निर्णय लिया गया है।

संचालन को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए चारों सेक्टरों के लिए अलग-अलग कलर कोडिंग निर्धारित की जाएगी, जिससे ई-रिक्शा की पहचान और संचालन में आसानी होगी। साथ ही चारों सेक्टरों के रूट शहर के चारों यातायात जोनों के अनुसार तय किए जाएंगे, ताकि ई-रिक्शा संचालन संतुलित और व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके।

बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने यातायात पुलिस के साथ समन्वय बनाकर शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और ई-रिक्शा संचालन को नियमबद्ध करने के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। यातायात पुलिस ने सभी ई-रिक्शा चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

ग्रीष्मकालीन जलप्रदाय की तैयारियों को लेकर महापौर व आयुक्त ने की समीक्षा, डायरेक्ट मोटर लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए शहर में सुचारू एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा महापौर सभाकक्ष में जलप्रदाय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा, अपर आयुक्त आशीष पाठक, जलप्रदाय कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में महापौर एवं आयुक्त ने ग्रीष्मकाल के दौरान जलप्रदाय व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान पेयजल टंकियों की स्थिति, ट्यूबवेल संचालन, जल वितरण व्यवस्था, टैंकरों की उपलब्धता तथा आवश्यक अतिरिक्त व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निर्देश दिए कि जलप्रदाय के दौरान नल कनेक्शन से डायरेक्ट मोटर लगाकर पानी खींचने वालों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर मोटर जप्त करने की कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन घरों में नलों में टोटी नहीं लगी है और पानी का अपव्यय हो रहा है, उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

महापौर ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ जाती है, इसलिए नगर निगम का दायित्व है कि नागरिकों को समय पर और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जहां कहीं भी पाइपलाइन लीकेज, जलप्रदाय में बाधा या अन्य शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर समयसीमा में निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलप्रदाय व्यवस्था का नियमित निरीक्षण किया जाए और सभी संधारण कार्य ग्रीष्मकाल से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि जल वितरण प्रणाली को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक मरम्मत कार्य समय रहते पूरे किए जाएं तथा प्रत्येक क्षेत्र में जल उपलब्धता की निरंतर निगरानी की जाए।

हाईकोर्ट ने पूछा- सर्वे रिपोर्ट के बगैर क्यो हो रहा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के सबसे व्यस्त मार्ग एबी रोड पर बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रोजेक्ट की उपयोगिता और नियोजन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने सरकार और संबंधित विभाग से तीखे लहजे में पूछा है कि बिना किसी ठोस और विस्तृत सर्वे रिपोर्ट के इतने बड़े निर्माण को अंजाम क्यों दिया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने सरकार से जवाब तलब किया है और अगली सुनवाई के लिए 2 अप्रैल की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पीडब्ल्यूडी के अपने ही पुराने सर्वे के अनुसार यह कॉरिडोर महज 18 प्रतिशत ट्रैफिक के लिए ही उपयोगी साबित होगा। याचिकाकर्ता अतुल शेठ की ओर से तर्क दिया गया कि जब यह प्रोजेक्ट यातायात की बड़ी समस्या का समाधान ही नहीं कर पा रहा है, तो जनता के करोड़ों रुपये इस पर क्यों व्यर्थ किए जा रहे हैं। याचिका में रोटरी की प्लानिंग को भी गलत बताया गया है। कोर्ट ने अफसरों को निर्देशित किया है कि वे याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए तकनीकी पक्षों और आपत्तियों का गंभीरता से अध्ययन करें और उनका उचित निराकरण सुनिश्चित करें।

हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें अभियान के तहत इंदौर पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम, 3700 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में शहर में विभिन्न स्थानों पर हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में 12 मार्च 2026 को पलासिया चौराहे पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 23वां हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें वृहद जागरूकता अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर द्वारा ऐसे युवा, बुजुर्ग और जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए जिनके पास वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे। वहीं जिन वाहन चालकों ने यातायात नियमों का उल्लंघन किया, उनके खिलाफ पहले चालानी कार्रवाई की गई और बाद में सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए उन्हें हेलमेट भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर ऐसे जिम्मेदार वाहन चालकों को भी सम्मानित किया गया जो स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर वाहन चलाते हुए पाए गए।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा अब तक आयोजित 23 हेलमेट जागरूकता कार्यक्रमों में 3700 से अधिक हेलमेट वितरित किए जा चुके हैं। पुलिस का उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता के प्रति जागरूक करना और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि शहर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में उपस्थित वाहन चालकों ने भी यातायात नियमों का पालन करने और अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

प्रमोशन को अस्वीकार करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों का दोबारा प्रमोशन नहीं मिलना चाहिए- शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने अपने वक्तव्य में कहा है कि प्रमोशन को अस्वीकार करने का कोई कानून नहीं है। यह ऊपर- ऊपर चलने वाली व्यवस्था है। इसलिए मध्य प्रदेश विधानसभा में एक सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है। प्रमोशन की चाहत किसे नहीं होती, इसे बेहतर काम और तरक्की की सीढी माना गया है। लेकिन सरकारी विभाग में ऐसे भी कर्मचारी है जो पदोन्नति नहीं चाहते, इसमें लिपिक से लेकर अफसर तक शामिल है। विभाग उन्हें प्रमोशन देकर आगे बढ़ाना चाहता है लेकिन यह लोग प्रमोशन को अपने नफा- नुकसान के तराजू पर तौलकर देखते हैं और हमें प्रमोशन नहीं चाहिए बोल रहे हैं। कई बार तो प्रमोशन की सूची जारी होने के बाद भी नए स्थान पर ज्वाइन नहीं करते।

शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों के अहम् पदों पर ट्रांसफर- पोस्टिंग के पेंच भी फंसने लगे है, इसके बाद अनेक विभागों ने ऐसे निर्देश भी जारी किये कि ऐसे कर्मचारी जो प्रमोशन अस्वीकार कर रहे हैं उनसे हर हाल में शपथ पत्र लिया जाए कि वह कभी पदोन्नति की मांग नहीं करेंगे किंतु ऐसे निर्देशों की न्यायालय में धज्जियां उड़ जाती है। अभी तक यह व्यवस्था है कि वर्तमान में किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को केवल तीन बार पदोन्नति अस्वीकार करने का अधिकार है पर किंतु इसका कोई कानूनी आधार नहीं है, यह सब ऊपर- ऊपर ही चल रहा है। इसी प्रकार इसका कोई लिखित आधार कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में भी नहीं है।

शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी उक्त गैर कानूनी नियम लागू होने से अनेक कर्मचारी और अधिकारी अपने प्रमोशन को स्वीकार नहीं करते और बार-बार अनेक पारिवारिक कठिनाई जिसमें माता-पिता बीमार, पत्नी बीमार, बच्चा बीमार, अथवा स्वयं की शारीरिक अक्षमता,एवं अपनी अस्थिर मानसिक अवस्था का हवाला देकर अपने प्रमोशन को ठुकरा देते हैं, जिसके कारण अनेक महत्वपूर्ण पदों पर प्रभारी अधिकारी और कर्मचारियों से काम चलाना पड़ता है, जिससे सरकारी कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शिक्षाविद् चन्द्रे ने आगे कहा कि अकसर कर्मचारी और और अधिकारी प्रमोशन को इसलिए स्वीकार नहीं करते क्योंकि उन्हें जिम्मेदारी से बचना होता है अथवा यदि लाभ का पद नहीं है तो वहां स्थानांतरण पर जाना नहीं चाहते, इस कारण अनेक विद्यालय एवं महाविद्यालय तथा शासन के विभिन्न विभागों में अथवा सामान्य प्रशासन के कार्यालयों में पूर्ण अधिकार युक्त अधिकारी नहीं है तथा उनके स्थान पर प्रभारी नियुक्त किए जाते हैं जो बार-बार बदले जाते हैं तथा ये प्रभारी अधिकारी निर्णय लेने में भी कमजोर सिद्ध होते है। इस कारण सरकारी कामकाज एवं स्कूल कॉलेज का प्रशासन पूरी तरह लंच-पुंज हो रहा है एवं ब्यूरोक्रेसी जनता पर हावी होती जा रही है और इसके साथ ही जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ तीव्र गति से नहीं मिल पा रहा है।

शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने आगे कहा कि मध्यप्रदेश शासन को अपने कानून में यह संशोधन करना चाहिए या नया कानून बनना चाहिए कि किसी भी कर्मचारी को अपने कार्यकाल में केवल एक बार प्रमोशन को अस्वीकार करने का अधिकार हो सकता है किंतु बाद में प्रमोशन को अस्वीकार करने का अधिकार नहीं रहेगा और यदि कोई कर्मचारी अधिकारी प्रमोशन को स्वीकार नहीं करते हैं तो उनको तीन माह का नोटिस अथवा वेतन देकर उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करना देना चाहिए। यदि उक्त कानून को बनाया जाता है तो प्रदेश के समस्त कार्यालयों एवं शासकीय संस्थानों को एक पूर्ण अधिकार प्राप्त अधिकारी उपलब्ध होंगे और सरकारी कामकाज की गति तेज होगी।

रोटरी क्लब मंदसौर के 27 सदस्य नई संसद भवन भ्रमण के लिए रवाना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब मंदसौर के 27 सदस्य नई दिल्ली स्थित संसद भवन के भ्रमण के लिए रवाना हुए। यह भ्रमण लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता के विशेष प्रयासों से संभव हो पाया है। भ्रमण के दौरान रोटरी क्लब के सदस्यों को संसद की कार्यप्रणाली को निकट से देखने का अवसर मिलेगा। साथ ही सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलने का समय भी निर्धारित हुआ है। इस सदस्य दल में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुशील मल्होत्रा, डीएलएफ गजेंद्र सिंह नारंग, रोटरी क्लब दिल्ली के पूर्व पीजी रमेश अग्रवाल, पूर्व पीडीजी मुकेश अरनेजा, दुष्ट 3040 के असिस्टेंट गवर्नर संजय गोठी, रोटरी क्लब मंदसौर के अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, सचिव कपिल भंडारी तथा वरिष्ठ सदस्य प्रहलाद काबरा सहित कुल 27 सदस्य शामिल हैं। भ्रमण के दौरान सदस्य दल राष्ट्रपति भवन का भी अवलोकन करेगा। इसके बाद यह दल धार्मिक यात्रा के तहत मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदग्राम व गोकुल का भी भ्रमण करेगा। यह सदस्य दल विभिन्न स्थानों का भ्रमण करने के बाद 15 मार्च को पुनः मंदसौर लौटेगा। रोटरी क्लब के सभी पूर्व अध्यक्ष व पदाधिकारियो ने इस यात्रा हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करी।

सोनियाना ग्राम पंचायत की कमान अब श्यामाबाई गुर्जर के हाथों में, कार्यवाहक सरपंच नियुक्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की जीरन तहसील अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सोनियाना में रिक्त हुए सरपंच पद पर अब नई नियुक्ति कर दी गई है। प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, श्यामाबाई पति देवलाल गुर्जर को ग्राम पंचायत सोनियाना का कार्यवाहक सरपंच नियुक्त किया गया है। वे आगामी उपचुनाव संपन्न होने तक पंचायत के सभी प्रशासनिक और विकास कार्यों का संचालन करेंगी।

सरपंच के निधन के बाद रिक्त हुआ था पद- उल्लेखनीय है कि सोनियाना की निर्वाचित सरपंच विद्याबाई पति घनश्याम प्रजापति का बीते 5 फरवरी 2026 को दुखद निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही पंचायत में सरपंच का पद रिक्त चल रहा था, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। शासन के नियमों के अनुसार, रिक्त पद को भरने के लिए %मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993% की धारा 38 के तहत प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

सर्वसम्मति से हुआ चयन- प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत 2 मार्च 2026 को नायब तहसीलदार एवं पीठासीन अधिकारी जीरन की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत सोनियाना की विशेष बैठक आहूत की गई। इस बैठक में निर्वाचित सदस्यों की उपस्थिति में विचार-विमर्श के बाद ग्वाल देविया निवासी श्रीमती श्यामाबाई गुर्जर के नाम पर सर्वसम्मति बनी और उन्हें कार्यवाहक सरपंच चुना गया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नीमच, संजीव साहू द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के अनुसार- श्यामाबाई गुर्जर तत्काल प्रभाव से सरपंच पद के समस्त दायित्वों का निर्वहन करेंगी। यह व्यवस्था केवल आगामी उपचुनाव होने तक प्रभावी रहेगी। सोनियाना पंचायत के सचिव और संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे नवनियुक्त कार्यवाहक सरपंच के समन्वय से पंचायत के रुके हुए कार्यों को गति प्रदान करें।

एनजीओ का उद्देश्य बिना लाभ के शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, मानवाधिकार और मजदूरों के अधिकार जैसे क्षेत्रों में निरंतर सुधार करना है-महेश दुबे

सक्रिय एनजीओ संचालकों ने वरिष्ठ सदस्य पं. महेश दुबे का किया सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) का मिलन समारोह का आयोजन पुरानी बस स्टैंड के पीछे एक निजी होटल मे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सक्रिय एनजीओ ग्रुप मंदसौर द्वारा लंबे समय से बचपन बचाओ आंदोलन एवं कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के साथ मिलकर सामाजिक सेवा में कार्यरत रहे महेश दुबे (डबको) का सम्मान किया गया। सम्मान के बाद अपने उद्बोधन में महेश दुबे ने कहा कि उन्हें मिला यह सम्मान उनके जीवन में किए गए सेवाकार्यों का पारिश्रमिक से भी बढ़कर है। उन्होंने कहा कि एनजीओ क्षेत्र में रहते हुए उन्होंने कभी अपने लिए नहीं, बल्कि अभावग्रस्त बच्चों, स्लेट-पेंसिल कारखानों में कार्यरत मजदूरों और जरूरतमंद महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य तो कई लोग व्यक्तिगत स्तर पर करते हैं, लेकिन गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के माध्यम से कार्य करना समाज सेवा को संगठित, कानूनी और अधिक प्रभावशाली रूप देता है। एनजीओ का उद्देश्य बिना लाभ (नॉन-प्रॉफिट) के शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, मानवाधिकार और मजदूरों के अधिकार जैसे क्षेत्रों में निरंतर सुधार करना है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बच्चों और महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा वंचित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करें।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए रूरल पब्लिक सर्विसेज के डायरेक्टर राधेश्याम मारू ने महेश दुबे को मंदसौर के एनजीओ क्षेत्र का वटवृक्ष बताते हुए उन्हें एनजीओ का पितृपुरुष÷ बताया और सभी का परिचय करवाया गया। कार्यक्रम के सूत्रधार संस्था प्रियदर्शन के अध्यक्ष दिनेश सोलंकी ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में महेश दुबे को सभी लोग स्नेहपूर्वक ÷चाचा दुबे÷ के नाम से जानते हैं। उन्होंने कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के साथ कार्य करते हुए बाल अधिकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और संस्था की गतिविधियों को गति प्रदान की। एनजीओ सलाहकार बलराम राठौर ने कहा कि समारोह के माध्यम से सभी सामाजिक संगठन एक मंच पर एकत्र हुए हैं और वरिष्ठ समाजसेवी का सम्मान करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन करते रहने की बात कही। निडर युवा सेवा संस्था के अध्यक्ष शहजाद हुसैन ने कहा कि यदि एनजीओ को सही प्रशिक्षण, बाजार से जोड़ने की व्यवस्था और सरकारी योजनाओं का सहयोग मिले तो वंचित वर्गों को सरकारी नौकरी के बिना भी आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। सामाजिक कार्यकर्ता ललित गुप्ता ने कहा कि एनजीओ एक गैर-राजनीतिक और गैर-सरकारी संगठन होता है, जो निस्वार्थ और निष्पक्ष भाव से समाज में सेवा कार्य करता है और इसी कारण ऐसे संगठन समाज में टिक पाते हैं। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था श्री-श्री मां के राधिका-पं. गोपाल शास्त्री ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करने में जनजागृति और सामाजिक संगठनों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। संस्था एक निश्चय के अंकित पालीवाल ने कार्यक्रम में वक्ताओं ने डिजिटल भारत के दौर में एनजीओ की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि जागरूकता के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। सामाजिक क्षेत्र मे कार्यरत श्रीमती उषा सोलंकी ने बच्चों, महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए एनजीओ के कार्यक्षेत्र में अपार संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सहभोज और आपसी परिचय के माध्यम से सभी को एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम मारू ने किया। आभार पं. गोपाल शास्त्री ने माना।

दशपुर बीसा पोरवाल सोश्यल ग्रुप में रितेश भगत अध्यक्ष और शुभम पोरवाल सचिव मनोनीत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशपुर बीसा पोरवाल सोश्यल ग्रुप के आगामी सत्र हेतु नई कार्यकारिणी का गठन सीए मयंक जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया और सर्वसम्मति के पश्चात आगामी सत्र की कमान अध्यक्ष के रूप में रितेश भगत और सचिव के रूप में शुभम पोरवाल को सौंपी गई है। वर्तमान अध्यक्ष सीए मयंक जैन ने नई टीम की घोषणा की। संस्था के सुचारू मार्गदर्शन के लिए संरक्षक पद पर सुधीर गुप्ता, मार्गदर्शक पद पर अशोक उकावत एवं संयोजक पद पर प्रमोद जैन को मनोनीत किया गया है। कार्यकारिणी के अन्य मुख्य पदों पर उपाध्यक्ष संजय जैन (विक्रम प्रिंटर्स), सहसचिव अंकुश जैन (गोटा वाला), कोषाध्यक्ष पियूष जैन (नाहरगढ़ वाला) तथा प्रवक्ता के रूप में विकास कोठारी अपनी सेवाएं देंगे। ग्रुप की सशक्त कार्यप्रणाली के लिए घोषित की गई कार्यकारिणी सदस्यों में शैलेन्द्र भगत, मनीष रिछावरा, संजय पोरवाल (पशुपतिनाथ ऑटो पार्ट्स), संदीप जैन (वरमण्डल वाला), नितीन जैन (बीजापुर वाला), दिनेश जैन (गरोठ वाला), डॉ वैभव जैन, विनय पोरवाल, डॉ अर्पित पोरवाल, रितेश पोरवाल टीवीएस, संयम जैन (भावगढ वाला), विशाल जैन (अफजलपुर वाला), नितेश पोरवाल (कमल डिस्पोजल), सौरभ पोरवाल (पटेल सा), सीए आशीष जैन, आयुष जैन, सीए नयन जरक, मनोज पोरवाल (ड्रेस उप), राहुल जैन एचएम, अरुण जैन और कपिल जैन (गरोठ वाला) को शामिल किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज सेवा और संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ अपना कार्यभार ग्रहण किया है।

कीर्ति नगर विकास समिति नीमच ने मनाया फाग उत्सव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के कीर्ति नगर में भोलेश्वर तीर्थ परिसर पर फाग उत्सव का आयोजन किया गया । इस अवसर सभी ने आपस में गुलाल लगाकर राधा कृष्ण के सुन्दर स्वांग में आए बच्चों संग फूलों की होली खेली । कीर्ति नगर रहवासियों ने मल्हारगढ़ संगीत भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों का धर्मलाभ लिया एवं प्रभु भक्ति में भक्तगण झूमते रहें । कृष्ण के रूप में कु. मेघा सागर और राधा के रूप में कु, ऋद्धि खुआर के सुंदर रूप ने पूरा आयोजन में कृष्ण राधा रानी की भक्ति का रस घोल दिया । उपरोक्त जानकारी देते हुए कीर्ति नगर विकास समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश बैरागी एवं सचिव जगदीश पाटीदार ने बताया कि कीर्ति नगर विकास समिति द्वारा भोलेश्वर तीर्थ पर हिन्दू समाज के सभी त्यौहारों को परम्परागत रूप से मनाया जाता रहा है । समिति के कोषाध्यक्ष जीतेश जी सागर एवं सह सचिव किन्शुक शर्मा ने बताया आयोजन में फूलों की होली खेलते हुए कृष्ण जी एवं राधा रानी का मंगल स्वागत किया गया । समिति के सदस्य राजेश लखेरा ने बताया होलिया में उड़े रे गुलाल, धीरे धीरे मार कान्हा पिचकारी, आज बिरज में होली रे रसिया, मुझे मिल गया नंद लाल जैसे कृष्ण राधा भक्ति और अपने आराध्य भगवान के भजनों को कीर्ति नगर की मातृ शक्ति ने उत्सव को पूर्ण भक्तिभाव के साथ आनंद लिया । फाग उत्सव में छोटे बच्चों ने कृष्ण राधा के रूप में अपनी उपस्थिति दी जिन्हें मंडल द्वारा पुरस्कृत भी किया गया । आयोजन में पार्षद श्रीमती किरन शर्मा को विश्व महिला दिवस पर कीर्ति नगर नारी शक्ति ने मिलकर सम्मान स्वरूप बालाजी महाराज की सुंदरकांड पुस्तक भी भेंट की । समिति ने मंदिर परिसर सुरक्षा की दृष्टि से प्रभु भोलेश्वर के आशीर्वाद भाव से 4 सीसीटीवी की घोषणा पर समिति के प्रदीप जायसवाल एवं परिवार का भी आभार प्रकट किया ।

नगर परिषद जीरन की अनूठी पहलः समय पर टैक्स भरने वालों का होगा सम्मान, बकायादारों के नाम चौराहों पर होंगे चस्पा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद जीरन अब अपने करदाताओं के लिए पुरस्कार और दंड की रणनीति अपनाने जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी विकास डावर ने नगर की जनता के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए बताया कि परिषद टैक्स वसूली को लेकर सख्त और पारदर्शी रुख अपनाने वाली है।

नगर परिषद ने उन जागरूक नागरिकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है जो अपने करों का भुगतान समय पर या आगामी वर्ष के लिए अग्रिम कर देते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को सार्वजनिक रूप से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जिसका मकसद नगर के विकास में योगदान देने वाले ईमानदार नागरिकों को प्रोत्साहित करना।

इसी तरह जिन उपभोक्ताओं ने लंबे समय से करों का भुगतान नहीं किया है, उनके लिए विभाग सख्त कदम उठाने जा रहा है,जिसके तहत 5,000 से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं की सूची तैयार की जा रही है। इन बकायादारों के नाम नगर परिषद के सूचना पटल और नगर के प्रमुख चौराहों पर बैनर लगाकर प्रदर्शित किए जाएंगे। 14 मार्च तक है सुनहरा मौका (लोक अदालत)- श्री डावर ने अपील की है कि उपभोक्ता इस लोक-लाज वाली कार्यवाही से बच सकते हैं।आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली लोक अदालत में अपना बकाया जमा कराएं। लोक अदालत में राशि जमा करने पर नियमानुसार छूट का लाभ भी मिलेगा। 15 मार्च से सूची बनाने और चस्पा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब निर्णय जनता के हाथ में है कि वे अपना नाम सम्मान वाली सूची में देखना चाहते हैं या बकायादारों की सार्वजनिक सूची में।

नीमच के सरकारी स्कूलों का दबदबा, मनासा विकासखंड सर्वाधिक 32 चयन के साथ जिले में अव्वल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। नेशनल मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस गौरवपूर्ण परिणाम में जिले के 56 विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर अपनी पात्रता सिद्ध की है, जिन्हें अब आगामी सत्र से प्रतिवर्ष 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

विकासखंडवार प्रदर्शन- मनासा ने कायम रखा अपना वर्चस्व- घोषित परिणाम के अनुसार, मनासा विकासखंड ने जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 32 चयन दिए हैं। वहीं जावद विकासखंड से 17 और नीमच विकासखंड से 7 विद्यार्थियों ने यह कठिन पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। इन विद्यार्थियों की सफलता ने जिले के शैक्षणिक स्तर को राज्य स्तर पर नई पहचान दी है।

अतिरिक्त कालखंड और विशेष कार्यशालाओं का मिला लाभ- जिला अकादमिक समन्वयक पं. अंबिका प्रसाद जोशी ने बताया कि जिले की कुछ शालाओं ने एक विशेष कार्य संस्कृति विकसित कर ली है। यहाँ शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाओं के अलावा अतिरिक्त कालखंड लगाकर बच्चों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है।

मनासा मॉडल- मनासा में बीआरसीसी के कुशल निर्देशन में पूरी टीम सक्रिय रहती है। यहाँ जन शिक्षा केंद्र स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं और व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से डिजिटल सपोर्टिव मटेरियल साझा किया जाता है।

NEP-2020 का मूल मंत्र- केवल चयन नहीं, दक्षता भी जरूरी

पंडित जोशी ने चयनित विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि, हमारा मोटो 100% पंजीकृत विद्यार्थी, पूर्ण तैयारी के साथ सहभागिता है। इस परीक्षा से बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता, तर्कशक्ति और समय प्रबंधन का विकास होता है। यही नई शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य है कि हमारे शिक्षक अद्यतन हों और विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए शाला स्तर पर ही तैयार हो सकें।

उपस्थिति में राज्य में दूसरे स्थान पर रहा था नीमच- उल्लेखनीय है कि यह परीक्षा 12 अक्टूबर 2025 को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। उस समय विद्यार्थियों की रिकॉर्ड उपस्थिति के चलते नीमच जिला पूरे मध्य प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा था। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि जो शालाएं इस बार सफल नहीं हो पाई हैं, वे यदि सुनियोजित रणनीति बनाकर परिश्रम करें, तो अगले वर्ष सफलता अवश्य मिलेगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सविता बाई पति प्रकाश आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 85 सर्वे 70 व 71/1 का भाग श्रीनगर कालोनी शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी शीरीन पति स्व प्रकाश चौहान आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 583/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सविता बाई पति प्रकाश के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सुगन बाई पति मेहरबान सिंह आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 32 सर्वे 70/2 70/5 का भाग शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी लाखन पिता दिनेश मंडोर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 582/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सुगन बाई पति मेहरबान सिंह के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा भुली बाई पति जितेन्द्र जी आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 584/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक भुली बाई पति जितेन्द्र जी के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा 1 अजय पिता दर्शनलाल खत्री 2 यगनीत पिता अजय खत्री आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. सी 24 नगीना एस्टेट कालोनी पाण्डयाखेड़ी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 1 शांतिबाई उर्फ शांताबाई नागर पति छोटेलाल जी नागर 2 मनोहरलाल 3 रमेशचन्द्र 4 मोहनलाल पिता रतनलाल 5 वासुदेव 6 देवेन्द्र निवासी 69 कालिदास मार्ग डिपो के पास मक्सी रोड उज्जैन आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 586/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 अजय पिता दर्शनलाल खत्री 2 यगनीत पिता अजय खत्री के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

सम्पादकीय

अनंतता का सूत्रः पाई और हमारी खोजों की अपरंपार यात्रा

अनंतता की रहस्यमयी गहराइयों में एक अंक चमकता है, जो हर वृत्त, हर आकार और हर गणितीय रहस्य में जीवन फूँकता है– (पाई)। यह दिन सिर्फ एक उत्सव नहीं है; यह कल्पना, खोज और असीम संभावनाओं का जश्न है, जहाँ हर संख्या अपने भीतर ब्रह्मांड के अद्भुत रहस्यों को संजोए हुए है। वह अद्भुत शक्ति है जो वृत्तों की परिधि और व्यास के बीच की रहस्यमयी संगति को उजागर करती है, सूर्य और चंद्रमा की गोलाई में छुपी सटीकता को सामने लाती है, और हमारे रोज़मर्रा के जीवन में छुपे गणितीय जादू को उजागर करती है। यह दिन हमें उस जादुई गणितीय लोक में ले जाता है, जहाँ संख्याएँ नृत्य करती हैं, कल्पना की कोई सीमा नहीं होती, और हर खोज हमें नए रहस्यों और अनोखे दृष्टिकोणों की ओर ले जाती है।

एक ऐसा अंक, जो अनंत तक फैला हुआ है और हर गणितीय रहस्य में अपनी छाप छोड़ता है– (पाई)। 3.141592653ज केवल संख्याओं का क्रम नहीं, बल्कि एक कविता की तरह निरंतर बुनाई है, जिसमें कोई दोहराव नहीं और कोई अंत नहीं। यह हर वृत्त की आत्मा है–चाहे वह पृथ्वी का आकार हो, सूर्य का गोलापूर्ण प्रकाश, या आपके हाथ में एक साधारण सि।। प्राचीन सभ्यताओं ने इसे समझने की कोशिश की–मिस्र, बेबीलोन, और यूनानी दार्शनिक आर्किमिडीज तक सभी इसके जादू से मोहित थे। भारत के महान गणितज्ञ आर्यभट्ट और माधव ने इसे और परिष्कृत किया, और विज्ञान को नए आयाम दिए। कभी हाथ से लाखों अंकों तक गणना हुई, और आज सुपरकंप्यूटर खरबों अंकों तक इसकी गुत्थियाँ सुलझा रहे हैं। की यह अनंतता मानव जिज्ञासा की अनवरत चुनौती है–यह कहती है, और आगे बढ़ो, और जानो। यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की अदृश्य शक्ति है– (पाई)। यह केवल गणितज्ञों का खेल नहीं, बल्कि यह वह रहस्यमयी ताकत है जो ग्रहों की कक्षाओं को मापती है, अंतरिक्ष यानों को उनके लक्ष्य तक पहुँचाती है, और तकनीक की दुनिया में हर महत्वपूर्ण संरचना को आकार देती है। नासा और स्पेसएक्स जैसे मिशनों में की गणना प्रत्येक उड़ान का मार्गदर्शन करती है। इंजीनियरिंग में यह पुलों, ऊँची इमारतों और सुरंगों की डिज़ाइन को परिपूर्ण बनाती है। तकनीकी उपकरण–जीपीएस, सैटेलाइट और स्मार्टफोन– के बिना अधूरे हैं। चिकित्सा विज्ञान में भी यह अद्भुत है–एमआरआई की जटिल गणनाओं से लेकर शरीर के बायोमेट्रिक विश्लेषण तक, हर कदम पर हमारे साथ है। यह विज्ञान की नींव को मज़बूत करता है और मानव सभ्यता को प्रगति के नए आयामों की ओर ले जाता है। एक संख्या के जश्न के लिए पूरे विश्व में एक दिन समर्पित है - 14 मार्च, जब (पाई) का उत्सव मनाया जाता है। यह तारीख 3.14 के प्रारंभिक अंकों से मेल खाती है, और इसी छोटे क्रम ने 1988 में भौतिक विज्ञानी लैरी शॉ को इस दिन को उत्सव के रूप में चिह्नित करने के लिए प्रेरित किया। तब से यह केवल एक दिन नहीं, बल्कि गणित और विज्ञान के प्रति उत्साह और जिज्ञासा का प्रतीक बन गया है। दुनिया भर में इसे मनाने के अनगिनत तरीके हैं–अमेरिका में पाई खाने का मज़ा, जहाँ शब्द द्वंद्व और का स्वाद एक साथ मिलता है। गणितीय पहेलियाँ, के अंकों को याद करने की प्रतियोगिताएँ (70,000 से अधिक अंकों तक का रिकॉर्ड), और विज्ञान के प्रयोग इस दिन को जीवंत और रोमांचक बनाते हैं। यह दिन सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान और जिज्ञासा के अनंत पथ की दिशा दिखाता है। हर चीज़ में छिपा है एक अदृश्य जादू– (पाई)। यह सिर्फ गणित की दुनिया तक सीमित नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन के हर पहलू में मौजूद है–सुबह की घड़ी के गोल चेहरे में, कार के पहियों की घूमती परिधि में, संगीत की तरंगों में, और दोस्तों को भेजी गई लोकेशन में भी। प्रकृति में इसकी उपस्थिति और भी आर्यजनक है–फूलों की पंखुड़ियों की घुमावदार आकृतियों में, नदियों की लहराती धाराओं में, और आकाशगंगाओं की विशाल संरचनाओं में इसकी गूँज सुनाई देती है। केवल एक संख्या नहीं, बल्कि वह रहस्यमयी सूत्र है जो सृष्टि को सामंजस्यपूर्ण बनाता है, हर प्रणाली में संतुलन और सुंदरता भरता है, और हमें यह याद दिलाता है कि गणित सिर्फ अंक नहीं, बल्कि जीवन का जादू है। जब हम अनंतता और रहस्यों की असीम गहराइयों में कदम रखते हैं, तब (पाई) हमें यह याद दिलाता है कि गणित केवल संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की छिपी हुई भाषा है, जो हर प्रणाली, हर संरचना और हर जीवन के रूप में अपनी छाप छोड़ती है। 14 मार्च को इस अद्भुत गणितीय महोत्सव में खुद को पूरी तरह डुबो दें। की रहस्यमय दुनिया में प्रवेश करें, विज्ञान और खोज की असीम संभावनाओं को अपनाएँ, और उस जिज्ञासा और उत्साह का उत्सव मनाएँ, जो हमें हर दिन नई ऊँचाइयों, नए दृष्टिकोणों और नए रहस्यों की ओर ले जाता है। केवल एक संख्या नहीं–यह अनंतता का दर्पण है, जिसमें हमारी खोजों, हमारी कल्पना और हमारी अनवरत उत्सुकता की चमक झलकती है, और हमें याद दिलाती है कि ज्ञान की यात्रा कभी समाप्त नहीं होती।

स्वयं की आलोचना व आत्मनिरीक्षण द्वारा उन्नति का मार्ग है सहजयोग

यदि हम सदैव? दूसरों की आलोचना करते हैं उनकी बुराई देखते हैं तो निसंदेह हम अच्छे की श्रेणी में नहीं आयेंगे। परंतु यदि हम स्वयं की आलोचना करते हैं स्वयं की बुराई और गलतियां देख पाते हैं तो हम अच्छे हैं क्योंकि हमें अपनी बुराईयों का आभास हो रहा है। यदि कोई और हमारी आलोचना कर रहा है, हममें? बुराई देख रहा है तो यह भी हमारे लिए हितकर है क्योंकि यह हमें सुधरने के लिए प्रेरित करता है,

कबीरदास जी ने कहा है -

निंदक नियरे राखिये, आंगन कुटी छवाय,
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय

आलोचना शब्द लुच धातु से बना है, जिसका अर्थ होता है देखना। यह देखना सामान्य भाव से देखना नहीं है ब्लकि विशेष दृष्टिकोण से देखना है अतः यह सकारात्मक है। । स्वयं की आलोचना यदि हम अंतर्अवलोकन? विधि से करें तो? हमें अपने अंदर की बुराईयां दिखाई देगी और हम यह देखकर आश्चर्यचकित रह जायेंगे कि हमने अपने अंदर कितने शत्रु पाल? रखे हैं जो हमारे आत्मिक उत्थान में अवरोध पैदा कर हमारा सर्वनाश कर रहे हैं क्योंकि आत्मिक उत्थान के बगैर प्रगति नहीं हो सकती है। सहज योग ध्यान पद्धति से हम यह अनुभव पाते हैं कि जब हमारा चित्त दूसरों पर जाता है तब हम अपने से दूर हो जाते हैं। दूसरों के गुणों की अवहेलना कर सिर्फ उनमें बुराई तलाशते? है तब हम अपने साथ अन्यों के रिश्ते समाप्त करने का प्रयास करते हैं। हमने देखा है कि हमारी स्वयं की आलोचना हमें कुंठित व शक्तिहीन कर देती है, हम अपनी ही नजरों में गिरने लगते हैं और आत्मविश्वास खोने लगते हैं।

अत~ आत्मशक्ति को बढ़ाना आवश्यक है। हमारे भीतर का आलोचक हमारी आत्मशक्ति से मिलकर ही हमारा मार्ग प्रशस्त कर सकता है। सहज योग माध्यम से ध्यान? धारणा हमारी आत्मशक्ति को विकसित करती है जिससे साक्षी भाव प्राप्त कर हम अपने प्रति आ रही आलोचना को सहजता से देख पाते हैं और स्वयं के दोषों का अवलोकन करना सीख लेते हैं।

सहज योग के नियमित ध्यान से हमें स्वच्छ मानसिकता प्राप्त होती है और नकारात्मक विचार सकारात्मकता में परिवर्तित हो जाते हैं। हम सहज ध्यान के द्वारा अपनी बुराईयों, बाधाओं, दुष्प्रभावों व दुषित विचारों को अपने अंदर से निकाल पाते है। आलोचना का सकारात्मक चैतन्य सहज योग के माध्यम से आसानी से ग्राह्य होता है। हम अपनी गलतियों को छुपाते नहीं, उसे स्वीकार कर अपने उत्थान क्षेत्र को प्रशस्त करते हैं। ऐसा करने से हमारी काबिलियत बढ़ती है और परिवार और समाज के प्रति अपने दायित्व निभा पाते हैं। आलोचना का उद्देश्य स्वयं का या दूसरों का अपमान नहीं है बल्कि एक श्रेष्ठ गुण है अपनी कमियों और त्रुटियों को दूर करने का।

संस्कार विहीन आधुनिकता समाज के लिए घातक

भारतीय समाज एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक, बहुजातीय, बहु धार्मिक समाज है। एक नजर में इसकी प्रगाढ़ता और इसके विराट स्वरूप को समझना अत्यंत कठिन है। भारतीय समाज की गहरी और विशाल संरचना को, उसके विभिन्न आयामों को समझना हमारे लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी। हमारा समाज एक विशिष्ट और उत्कृष्ट समाज है, जो अनेक संस्कृतियों, रीति-रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और जीवनशैली में गुथा हुआ है। रोजमर्रा की जीवन शैली में भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान दृष्टिगोचर होती है। यह समाज जहां अपनी पुरातन रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक विकास के साथ अग्रसर होने की चाह में आगे बढ़ रहा है।

भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता के विकास के बीच अंतर्द्वंद में फंसा हुआ है। एक और भारतीय समाज पश्चिम से प्रेरित होकर भौतिकता की चकाचौंध के पीछे भाग रहा है वहीं दूसरी तरफ अपनी पुरातन आध्यात्मिक परंपराओं का भी बखूबी निर्वाहन करने का प्रयास भी कर रहा है। किंतु समाज में यह अंतर्द्वंद बना हुआ है कि वह योग को अधिक महत्व दे अथवा भोग को, इससे इतर भारतीय समाज आश्चर्यजनक रूप से दोनों को अपनाते हुए आगे की ओर अग्रसर है। भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषाएं लिख नहीं है वही देश में शिशु लिंगानुपात हर जनगणना में घटता जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों में कमी तो आई है पर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और यौन अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारे समाज में बेटियां नाम कमा कर माता-पिता का नाम रोशन तो तेजी से कर रही हैं पर भ्रूण हत्या की दरों में अनावश्यक तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। यही अंतर्विरोध ही समाज को चिंतनीय भी बना रहा है। सबसे ताजा खबरों में हरनाज संधु ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है, और देश का नाम ऊंचा कर गौरव हासिल किया है। भारतीय लड़कियों ने फैशन में एक नया मुकाम बनाया है आज आधुनिक पेंट, जींस पहन कर लड़कियां आगे बढ़ने को आतुर है। दूसरी तरफ खानपान में जहां भारतीय पारंपरिक व्यंजन डोसा, सांभर, इडली, पंजाबी ,मसालेदार भोजन ग्लोबल स्तर पर छा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पारंपरिक भोजन ही कर रहे हैं हमने पिज़्ज़ा, पास्ता, मैक्सिकन, इटालियन, चाइनीस और कॉन्टिनेंटल फूड को भी आमजन का खाद्य पदार्थ बनाया हुआ हैं। भारतीय समाज अंत्येष्टि रूढ़िवादी संस्कारों को पूरी तरह निभाने का प्रयास कर रहा है दूसरी तरफ लिव इन रिलेशनशिप में युवक युवतियां महानगरों में बड़े आराम से जीवन जी रहे हैं। रूढ़िवादिता तथा पश्चिम के खुले पन और उन्मुक्त होता का एक फ्यूजन तैयार हो रहा है।

हमारा समाज आधुनिक अनश्वर को अपनाता है दूसरी तरफ नवीन वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना रहा है और नवयुग की ओर आकर्षित हो रहा है। दूसरी तरफ अपने पारंपरिक दार्शनिक धार्मिक मूल्यों जैसे ज्ञान, भक्ति, कर्म मार्ग, अवतारवाद, पुनर्जन्म, आस्था तथा मोक्ष की अवधारणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर अभी भी आस्थावान है। धर्म तथा अध्यात्म का आकर्षण कम होने के स्थान पर ज्यादा हुआ है। धार्मिक स्थलों के बढ़ते निर्माण धर्म गुरु के सत्संग, प्रवचन, पूजन, भजन ,कीर्तन, अजान ,अरदास, उपवास, रोजा, तीर्थ स्थलों, दरगाह पर भारी भीड़ यह सब सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज आधुनिक होने के साथ-साथ रूढ़िवादिता पर भी विश्वास रखता है। इन्हीं सब कारको के कारण रूढ़िवादिता तथा पाश्चात्य दर्शन का अंतर्विरोध स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। एक और पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखते हुए हम भारतीय समावेशी विकास की बात करते हैं। वहीं दूसरी तरफ विकास के नाम पर खनन, पेडो की बेतरतीब कटाई जारी रख पर्यावरण की धज्जियां उड़ाते हैं। जल, जंगल, जमीन से लेकर हवा तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है, इससे रूढ़िवादिता और पश्चिमीकरण मैं द्वंद स्पष्ट उजागर होता है।

स्वतंत्रता के बाद भारतीय समाज ने अपने संविधान के निर्माण और व्यवस्था के गठन तक में रूढ़िवाद और आधुनिकता दोनों का समन्वय बनाकर दोनों ही वाद को पर्याप्त स्थान दिया है। परंपरागत मूल्यों को जहां मौलिक कर्तव्य राज्य नीति के निर्देशक तत्व और प्रस्तावना में स्थान दिया है। इसके अलावा मौलिक आजादी के समानता के सिद्धांत को फ्रांस से, संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से और मानवीय मूल अधिकार को अमेरिका से ग्रहण करने में जरा भी संकोच नहीं किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्तर पर भी भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। एलोपैथी पद्धति से इलाज ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है वही आयुर्वेद योग, परंपरागत आयुर्वेद, ध्यान, नेचुरोपैथी आदि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में भी लोगों की रुची बड़ी तेजी से बढ़ी है। रविंद्र नाथ टैगोर जी ने कहा है आधुनिकता पोशाक में नहीं विचारों में होनी चाहिए भारतीय समाज बाह्य वस्तुओं के साथ-साथ वैचारिक और संस्कृति स्तर पर भी रूढ़िवादिता और आधुनिकता दोनों की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। ऐतिहासिक तौर पर भी भारतीय कला और संस्कृति का विकास स्वयं में रूढ़िवादिता और आधुनिकता के समन्वयक का उत्कृष्ट उदाहरण अमीर खुसरो भारतीय वीणा और इरानी तंबूरे को मिलाकर सितार बना रहे थे।

स्थापत्य की नागर शैली व मूर्ति कला की गंधार शैली अलग-अलग भारतीय व बाह्य कलाओं के समन्वय का उत्कृष्ट परिणाम है। मुस्लिम स्थापत्य पर भारतीय प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। हिंदी और फारसी के सहयोग से उर्दू का जन्म भारतीय समाज की ही देन है। इसीलिए यह बात स्पष्ट है कि रूढ़िवादिता और पाश्चात्य दर्शन के अनुसरण के लिए भारतीय जनमानस को दोनों दर्शन के सर्वोत्कृष्ट तत्वों को चुनकर उसे अंगीकार करना चाहिए। जिससे भारतीय समाज में विकास की गति भारतीय संस्कृति तथा आधुनिकता के साथ साथ तीव्र गति से हो पाए और मानव कल्याण संभव हो पाए।

-संजीव ठाकुर

सामाजिक समरसता को समर्पित संघ

भारत की संस्कृति का मूल तत्व 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'सर्वे भवंतु सुखिन' का आदर्श रहा है। यहां जाति, भाषा और प्रांत की विविधता होते हुए भी एक गहरी एकात्मता रही है। बाहरी आक्रमण और सामाजिक कुरीतियों के बावजूद भारत की एकात्मता आज तक कमजोर नहीं हुई, वह एक जैसी बनी हुई है। समाज को जाति-पांति, ऊंच-नीच के मानसिक बंधनों से मुक्त करने और हिंदू समाज को एक कर संगठित करने के लिए डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में आरएसएस की स्थापना की।

उस समय भारत पराधीनता, सामाजिक भेदभाव, ब्रिटिश शासन, ईसाई मिशनरी और मुस्लिम लीग के षड्यंत्रों से संघर्ष कर रहा था। बाहरी आक्रांता चाहे मुगल हों या अंग्रेज, उन्होंने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना पर आघात का भी प्रयास किया, जिसमें वे पूरी तरह सफल नहीं हो पाए।

ऐसे कठिन समय में संघ ने यह लक्ष्य रखा कि भारत को केवल राजनीतिक आजादी नहीं चाहिए, बल्कि उसे सांस्कृतिक, सामाजिक, वैचारिक और आध्यात्मिक रूप से भी स्वतंत्र होना होगा। संघ का उद्देश्य स्पष्ट था-समाज को संगठित कर राष्ट्र को सशक्त बनाना।'

आरएसएस की स्थापना के बाद धीरे-धीरे इसकी शाखाएं पूरे देश में फैलने लगीं। संघ की कार्यप्रणाली का मूल आधार था-शाखा, जिसमें स्वयंसेवक प्रतिदिन खेल, योग, देशभक्ति गीत और अनुशासनात्मक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का विकास करते हैं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में कहा, 'संघ केवल संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो समाज को जोड़ने और सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है।' संघ तीन प्रमुख बातों पर केंद्रित रहता है- आत्मविश्लेषण और सुधार, समाज के समर्थन को स्वीकार करना तथा राष्ट सेवा के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना।

संघ की शाखाओं में जब स्वयंसेवक पंक्ति में खड़े होते हैं, तो वहां किसी की जाति, वर्ण या आर्थिक स्थिति नहीं पूछी जाती। संघ की शाखा स्वयं सामाजिक-समरसता का जीवंत प्रतीक है। आज जब राजनीतिक दलों द्वारा नागरिकों को मतदाताओं के रूप में और सामाजिक जाति समूहों को वोट बैंक के रूप में देखा जा रहा है और इनके आधार पर समाज के कृत्रिम विभाजन का प्रयास किया जा रहा है, तब संघ का सामाजिक समरसता का प्रयास अधिक आवश्यक, अधिक उपयोगी और अधिक प्रासंगिक होता जा रहा है।

आज सामाजिक समरसता समाज की अपरिहार्य आवश्यकता है। यदि भारत को विश्वगुरु बनाना है तो जाति, भाषा और क्षेत्र की दीवारों को गिराना होगा। संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट है, 'हम सब एक हैं और हमारी शक्ति हमारी एकता में है।' डा. हेडगेवार ने मंदिर प्रवेश आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की, ताकि हर जाति के लोग एक ही देवालय में पूजा कर सकें। 1930-40 के दशक से ही दलित और वनवासी समाज को संघ की शाखाओं में बराबरी से स्थान मिला है।

-धनंजय राजौरा

भारत का अरबपति युगः समृद्धि की चकाचौंध या असमानता की आहट?

भारत की आर्थिक चमक के पीछे एक तीखा विरोधाभास है। एक ओर प्राइवेट जेट और लग्जरी यॉट्स की दुनिया, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्षरत हैं। यह दर्शाता है कि देश में धन तेजी से कुछ हाथों में सिमट रहा है, जबकि आम आदमी की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मार्च 2026 तक फोर्ब्स सूची में भारत के 229 अरबपति हैं (पिछले वर्ष 205), जिनकी कुल संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट इसे 308 बताती है। 99.7 बिलियन डॉलर के साथ मुकेश अंबानी शीर्ष पर हैं, जबकि गौतम अडानी सहित कई उद्योगपति अरबों की संपत्ति के शिखर पर हैं। पर इस समृद्धि का लाभ निचले तबकों तक नहीं पहुंच रहा और बढ़ती असमानता सामाजिक संतुलन को कमजोर कर रही है।

अरबपतियों की बढ़ती संख्या संयोग नहीं है। शेयर बाजार की तेजी, आईपीओ की लहर और फिनटेक, एआई व एडटेक जैसे नए क्षेत्रों ने कई नए अरबपति पैदा किए हैं। फोर्ब्स 2026 के अनुसार इस वर्ष 30 नए अरबपति जुड़े, जिनमें कई 30-35 वर्ष के युवा हैं। रेजरपे और फिजिक्सवाला जैसे स्टार्टअप्स के संस्थापकों ने कुछ ही वर्षों में अरबों की संपत्ति बनाई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी ग्रुप जैसी कंपनियों ने भी धन कई गुना बढ़ाया है। लेकिन यह समृद्धि समावेशी नहीं है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार भारत में शीर्ष 1% के पास 40% संपत्ति है, जबकि नीचे के 50त्न के पास मात्र 6.4%। शीर्ष 10% के पास 65% संपत्ति और 58त्न आय है, जबकि आधी आबादी को केवल 15त्न आय मिलती है। साफ है कि विकास का लाभ कुछ ही हाथों में सिमटा है।

बढ़ती आर्थिक असमानता का सबसे बड़ा असर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ रहा है। एक ओर अरबपति प्राइवेट हेलीकॉप्टर से उड़ते हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों परिवार महंगाई के बोझ तले दबे हैं। खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, पर मजदूरी लगभग स्थिर है। शिक्षा और स्वास्थ्य की असमान पहुंच गरीबों को और पीछे धकेलती है। सामाजिक गतिशीलता ठहर गई है और गरीबी पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। ऑक्सफैम की हालिया रिपोर्टों के अनुसार अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ी है, जबकि गरीबी घटाने के प्रयास कमजोर हैं। भारत में करोड़ों लोग न्यूनतम आय पर निर्भर हैं। यह बढ़ती खाई सामाजिक तनाव, बेरोजगारी और जाति-लैंगिक असमानता को और गहरा कर रही है।

धन-विभाजन की मानसिकता भारतीय समाज में गहराई से जमी रही है। कभी अमीरों को 'महाजन' या 'सेठ' कहकर सम्मान दिया जाता था, लेकिन अब सोशल मीडिया और सार्वजनिक बहस के दौर में सवाल उठ रहे हैं–जब लाखों लोग भूखे हैं, तो कुछ के पास अपार धन क्यों? अमर्त्य सेन जैसे विचारकों के अनुसार असमानता विकास की बड़ी बाधा है, जो सामाजिक न्याय और एकता को कमजोर करती है। धन का केंद्रीकरण जाति, लिंग और क्षेत्रीय असमानताओं को और गहरा करता है, जिसका सबसे ज्यादा असर दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर पड़ता है। अमीरों की भव्य जीवनशैली गरीबों में असंतोष बढ़ाती है। इसलिए समाज को समझना होगा कि धन केवल निजी संपत्ति नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है–अन्यथा असमानता सामाजिक विखंडन को और तेज करेगी।

आर्थिक नीतियों के भीतर छिपे कारण भी असमानता को बढ़ाते हैं। 1991 के उदारीकरण के बाद बाजार-केंद्रित विकास का लाभ मुख्यतः अमीर वर्ग को मिला, जबकि गरीब हाशिये पर रह गए। क्रोनी कैपिटलिज्म और राजनीतिक संबंधों से लाभ उठाने वाले उद्योग इस खाई को और गहरा करते हैं। कर व्यवस्था भी असंतुलित है–अमीरों पर कम प्रत्यक्ष कर, जबकि गरीब जीएसटी जैसे अप्रत्यक्ष करों का अधिक बोझ उठाते हैं। विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार 2014- 2025 के दौरान आय असमानता स्थिर दिखी, लेकिन धन लगातार ऊपर ही केंद्रित होता गया। जीडीपी बढ़ी, पर आम आदमी की क्रय शक्ति और रोजगार उतने नहीं बढ़े। नीतियां भी अक्सर प्रभावशाली वर्ग के पक्ष में झुकती हैं, जिससे लोकतंत्र पर धन का प्रभाव बढ़ने लगता है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की असमानता बेहद तीखी है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत में शीर्ष 10त्न और निचले 50त्न के बीच आय का अंतर दुनिया में सबसे अधिक है। जहां यूरोप में यह अंतर अपेक्षाकृत संतुलित है, वहीं भारत और थाईलैंड जैसे देशों में शीर्ष 10त्न के पास लगभग 65त्न संपत्ति केंद्रित है। वैश्विक स्तर पर भी शीर्ष 1त्न के पास 37त्न संपत्ति है, जबकि आधी आबादी के हिस्से केवल 2त्न संपत्ति आती है। स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह उच्च कर और मजबूत सामाजिक कल्याण नीतियों से इस असंतुलन को कम किया जा सकता है। अन्यथा समय रहते सुधार न होने पर यह खाई और गहरी होकर सामाजिक अशांति को जन्म दे सकती है।

समाधान संभव हैं, बशर्ते राजनीतिक और सामाजिक इच्छाशक्ति हो। प्रगतिशील कर व्यवस्था के तहत अमीरों पर वेल्थ टैक्स और अधिक आयकर लगाकर संसाधनों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में लगाया जा सकता है। एमएसएमई और कौशल विकास को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन और न्यूनतम आय गारंटी जैसे कदम भी सहायक हो सकते हैं। साथ ही कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी को प्रभावी बनाकर उद्योगपतियों की सामाजिक जिम्मेदारी बढ़ाई जा सकती है। ऑक्सफैम के अनुसार वेल्थ टैक्स जैसी नीतियां असमानता कम करने में कारगर हो सकती हैं। आज जरूरत इस बात की है कि भारत की बढ़ती अरबपति चमक के पीछे छिपी असमानता को गंभीरता से समझा जाए। सच्चा और समावेशी विकास तभी संभव है, जब धन-विभाजन की सोच बदले और आर्थिक असमानता को कम करने के ठोस प्रयास हों। यदि यह खाई यूँ ही बढ़ती रही, तो समाज गहरे विभाजन की ओर बढ़ेगा। इसलिए ऐसा भारत बनाना होगा जहां संपत्ति कुछ हाथों तक सीमित न रहकर सबके उत्थान का माध्यम बने, क्योंकि गहरी असमानता वाला समाज कभी मजबूत नहीं हो सकता।

-प्रो. आरके जैन

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है।

इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है।

इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मर्यादाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है।

बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाले होते हैं और यदि इन्हें प्रमाणों के बिना बार-बार दोहराया जाए तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए भी उचित नहीं माना जा सकता।

इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

ओम बिरला की एक बड़ी विशेषता उनका शांत, संयमित और संवादपरक स्वभाव है। वे अक्सर सभी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित कर सदन को सुचारुरूप से चलाने की कोशिश करते हैं। कई बार जब सदन में तीखी बहस या हंगामे की स्थिति बनी, तब भी उन्होंने धैर्य और संतुलन के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनके कार्यकाल को संसदीय परंपराओं के सम्मान और लोकतांत्रिक संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लगभग डेढ़ अरब लोगों की आकांक्षाएं, विविधताएं और विचार संसद के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। यह लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, विमर्श और जवाबदेही की प्रक्रिया है। संसद इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का केंद्रीय मंच है। इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि वहां होने वाली बहसें गंभीर, तथ्यपूर्ण और मर्यादित हों।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद में हंगामे और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतिगत मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय राजनीतिक टकराव का माहौल बन जाता है। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है बल्कि जनता के मन में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या उनके प्रतिनिधि वास्तव में राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव भी इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण प्रतीत होता है।

जब विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाता, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रश्न खड़े करता है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, बल्कि वह आवश्यक भी है, लेकिन असहमति को जिम्मेदारी और तर्कसंगतता के साथ व्यक्त किया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की यह जिम्मेदारी है कि वे संसद को टकराव का मंच बनाने के बजाय संवाद का मंच बनाएं। यदि संसद में गंभीर बहसें होंगी, तथ्यात्मक तर्क प्रस्तुत किए जाएंगे और नीतियों पर सार्थक चर्चा होगी, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। अन्यथा केवल राजनीतिक आरोपों और प्रतीकात्मक कदमों से लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को आघात पहुंच सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। यदि विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता और रचनात्मकता के साथ निभाए और सत्ता पक्ष भी संवाद के लिए खुलेपन का परिचय दे, तो भारतीय लोकतंत्र न केवल मजबूत होगा बल्कि विश्व के सामने एक आदर्श भी प्रस्तुत करेगा। यही वह मार्ग है जो संसद की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित-तीनों की रक्षा कर सकता है।

-ललित गर्ग

एमजी रोड, पुर्नघनत्वीकरण, जलप्रदाय एवं स्वछता के कार्यो की महापौर ने की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमजी रोड पुर्नघनत्वीकरण व जल प्रदाय एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंध में महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा मंगलवार 12 मार्च को निगम बैठक हाल में अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गई। आगामी वर्षाकाल मानसून को दृष्टिगत रखते हुए एमजी रोड के कार्यो को शीघ्रता से करने की रूप रेखा तैयार करें जिससे बारिश में व्यवसाईयों, रहवासियों व राहगीरों को जल जमाव कीचड जैसी किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न नही हो।

इसको लेकर महापौर ने आयुक्त दलीप कुमार एवं विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान जानकारी लेते हुए एमजी रोड चौडीकरण के दौरान चल रहे धीमी गति से कार्य पर चर्चा कर नाला निर्माण, सिवरेज लाईन अन्य जो लाईन डाली जाना है उसे शीघ्रता से करने तथा एम.पी.ई.बी. से चर्चा कर विद्युत केबल की लाईन भी चल रहे कार्यो के साथ 10 दिवस में डालवाये जाने हेतु प्र. कार्यपालन यंत्री को कहा।

महापौर ने सिवरेज लाईन जो डलना है की जानकारी ली। सिवरेज सर्वे का शेष कार्य है उसे शीघ्र पूर्ण करने तथा सिवरेज के कार्यो के कारण अन्य कार्य में बाधा नही आये इस हेतु सिवरेज का सर्वे एवं शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने हेतु कहा इसी के साथ गेलगैस कम्पनी से चर्चा कर लाईन एवं हाउस कनेक्शन, जलप्रदाय की लाईन, अण्डरग्राउंड विद्युत लाईन भी एक साथ डले कार्य की मानिटरिंग करते हुए कार्य शीघ्रता से करवाये जाने के साथ ही प्रतिदिन एमजी रोड पर पानी के छिडकाव एवं साफ साफाई के निर्देश महापौर ने दिये।

समय पर हो जल वितरण, पेयजल की गुणवत्ता पर करें फोकस- वार्डो में जल वितरण को लेकर तथा गंदे पानी की शिकायत की सूचना महापौर को मिलने पर महापौर श्रीमती अग्रवाल ने शहर मे किये जाने वाले जल वितरण को लेकर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण, पेयजल वितरण को समय पर करने एवं पेयजल की गुणवत्ता की जांच वार्डवार करने तथा पानी की लाईनों को भी चेक करने एवं समस्या होने पर उसका शीघ्र निराकरण किये जाने के निर्देश दिये।

आकस्मिक पानी वितरण की व्यवस्था भी चाक चौबंद रहे- ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए क्षिप्रा डेम से शहर में किये जाने वाला पेयजल वितरण पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध रहे इस हेतु एन.वी.डी.ए. को पत्र के माध्यम से अवगत कराकर सतत सम्पर्क रखें। महापौर ने आकस्मिक पेयजल वितरण में उपयोग किये जाने वाले टेंकरों की साफ सफाई एवं सुधार कार्य कर व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

कचरा संग्रहण वाहन वार्डो मे समय पर पहुंचे– महापौर- स्वच्छता सर्वेक्षण का दृष्टिगत रखते हुए महापौर ने शहर में दिन एवं रात्रीकालीन सफाई व्यवस्था को ओर सुदृड बनाये जाने एवं नाला एवं नालियों की सफाई के साथ गार्डनों के रख रखाव के लिए भी निर्देशित किया। कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन वार्डो में समय पर पुहंचे की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

पुर्नघनत्वीकरण योजना अन्तर्गत चल रहे कार्य समय सीमा मे पूर्ण हों- पुर्नघनत्वीकरण योजना के अन्तर्गत चल रहे कार्यो में आयएसबीटी एवं भगवती द्वार सराय पर पुर्नउत्थान के कार्य एवं तीनों झोन निर्माण का कार्य करने में कम्पनी के द्वारा लापवाही की जा रही है न ही समय सीमा में कार्य किया जा रहा है। महापौर ने संबंधित फर्म समंदढिया पर कार्य मे लापवाही के कारण उपस्थित प्रतिनिधि को सख्त चेतावनी देते हुए दी गई समय सीमा मे कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु कहा। उपस्थित कम्पनी के प्रतिनिधि को बैठक मे दिये गये निर्देश एवं समय सीमा मे कार्य नही होता है तो कम्पनी पर जुर्माना लगाते हुए ब्लेक लिस्टेड किये जाने के निर्देश आयुक्त दलीप कुमार को दिये।

बैठक मे विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, प्र. कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, दिनेश चौहान, उपयंत्री राजेश कौशल, चंदन सोनी, श्यामसुन्दर रघुवंशी एवं समस्त वार्ड उपयंत्री व समंदढिया फर्म के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आरोहण स्कॉलरशिप, शिक्षा के सपनों को मिला नया सहारा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड के ष्ट्रस्क प्रशासन द्वारा टोल कर्मचारियों के मेधावी बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के लिए आरोहण स्कॉलरशिप योजना के तहत् डी बी सी पी एल के फंदा टोल प्लाजा पर टोल कर्मचारियों के मेधावी बच्चों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में आरोहण स्कॉलरशिप राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस योजना के अंतर्गत ऑल इंडिया स्तर पर टोल कर्मचारियों के 300 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिसमें कक्षा 10वीं- 12वीं के विद्यार्थियों को 12,000 तथा यूजीडूपीजी के विद्यार्थियों को 50,000 की शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में फंदा टोल प्लाजा पर आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रोजेक्ट हेड अजय मिश्रा जी के नेतृत्व में तथा एमपीआरडीसी के चीफ इंजीनियर की गरिमामयी उपस्थिति में चयनित विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ प्रोत्साहन स्वरूप चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि इस विश्वास का संदेश है कि किसी भी टोल कर्मचारी के बच्चे की शिक्षा पैसों के अभाव में रुकनी नहीं चाहिए।आरोहण स्कॉलरशिप वास्तव में बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने वाला एक प्रेरणादायक कदम है। इस मौके पर एम पी आर डी सी चीफ इंजीनियर सुनील वर्मा, डीएम -एम पी आर डी सी सोनल सिंह ए जी - एम एम पी आर डी सुनील जैन डी बी सी पी एल- सी एस आर टीम मेधावी बच्चों के अभिभावक आदि कई सम्माननीय उपस्थित थे।

नारी लीड्स स्वच्छता के अंतर्गत महिला सफाई कर्मियों का कराया स्वास्थ्य परीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारी लीड्स स्वच्छता, स्वच्छता में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने हेतु नगर निगम आयुक्त महोदय निर्देशानुसार मंगलवार 12 मार्च को वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4 एवं 34, 35, 36 के महिला सफाई कर्मियों का संत रविदास नगर एवं नाहर दरवाजा स्थित संजीवनी क्लीनिक पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान महिला सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण में ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसी बुनियादी जांच की। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सभी कर्मचारियों को पीपीई किट (ग्लव्स, मास्क आदि) पहनने के लिए प्रोत्साहित किया गया साथ ही स्वास्थ्य परामर्श और स्वच्छता से संबंधित सावधानियों की जानकारी भी दी प्रदान की गई।

शासकीय उचित मूल्य दुकान पर मार्च-अप्रैल और मई-जून का एकमुश्त राशन सामग्री का वितरण होगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि संचालनालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले में मार्च-अप्रैल एवं मई-जून माह में 02-02 माह की राशन सामग्री अग्रिम आवंटन एवं वितरण की जायेगी। उन्होंने बताया कि माह मार्च एवं अप्रैल का एकमुश्त राशन 15 अप्रैल 2026 तक वितरण जायेगा तथा माह मई एवं जून 2026 का एकमुश्त राशन का वितरण 01 मई से 31 मई 2026 तक किया जायेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने जिले में समस्त पात्र परिवारों से अपील की है कि माह मार्च एवं अप्रैल माह का एकमुश्त राशन 15 अप्रैल 2026 तक तथा माह मई एवं जून माह का एकमुश्त राशन 01 मई से 31 मई 2026 तक संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान पर उपस्थित होकर प्राप्त करें तथा राशन प्राप्ति की पीओएस मशीन की माहवार पावती भी प्राप्त करें।

महिला सफाई मित्रों का हुआ सम्मान, नारी शक्ति संवाद में स्वच्छता व स्वास्थ्य पर हुई चर्चा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 और विश्व महिला दिवस पखवाड़े के अंतर्गत गुरुवार को नगर पालिका परिषद शाजापुर की सहयोगी संस्था द्वारा वार्ड नंबर 26 स्थित ज्योति नगर और विजय नगर कॉलोनी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-02 पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर नारी शक्ति संवाद के साथ-साथ महिला सफाई मित्र सम्मान समारोह आयोजित कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाने वाली महिला सफाई मित्रों के कार्य व उनकी लगन की सराहना करना तथा उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना था। इस दौरान वार्ड की महिलाओं को एकत्रित कर दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया। उपस्थित मातृशक्ति को अपने घर, गली, मोहल्ले, कॉलोनी और पूरे नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में वार्ड के पार्षद जगदीश विश्वकर्मा एवं क्षेत्र की वरिष्ठ महिला सदस्यों द्वारा महिला सफाई मित्रों का विशेष सम्मान किया गया और उनके द्वारा दी जा रही निरंतर सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नारी शक्ति संवाद में संस्था के सदस्य चंदन सिंह चौहान ने आधुनिक और बदलते परिवेश में महिलाओं की सशक्त भूमिका और समाज में उनके महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। वहीं संस्था की सदस्य रुचिका कुशवाह ने महिला स्वास्थ्य से जुड़े अहम मुद्दे पर बात करते हुए माहवारी मुश्किल दिनों के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संध्या सक्सेना ने भी नारी शक्ति और स्वच्छता के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस पूरे आयोजन की व्यवस्था और इसे सफल बनाने में आंगनबाड़ी सहायिका रेखा केशवाल का विशेष सहयोग रहा।

सभी शिक्षक एचपीवी टीका लगवाने के लिए पालकों को प्रेरित करें- कलेक्टर बाफना

एफएलएन के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले शिक्षकों को निलंबित करने एवं एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में माह फरवरी 2026 की एफएलएन गतिविधियों के संबंध में जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर बाफना ने बैठक में मेंटरिंग विजिट, मेंटरिंग केपीआई में शाजापुर जिले की स्थिति, एचएम प्रशिक्षण, बीएसी-सीएसी प्रशिक्षण, स्टीयरिंग कमिटी बैठक, वीएफएस कलिंग सर्वे, फाउंडेशन लर्निंग स्टडी, बाल चौपाल-विद्यालय में आयोजन के लिए दिशा-निर्देश, मासिक ट्रैकर एवं प्रभावी क्रियावयन के लिए आगामी योजना सहित अन्य विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा कर निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बाफना ने विकासखंडवार फरवरी 2026 माह के आंकड़ों के आधार पर कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों की भाषा एवं गणित दक्षता का विस्तृत विश्लेषण कर समीक्षा की। साथ ही उन्होंने बच्चों के पढ़ाई के स्तर, मेंटरिंग की प्रगति तथा मासिक ट्रैकर डाटा, मेंटरिंग अनुपालन पर विकासखंडवार पर गहन चर्चा कर समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसी भी कक्षा में विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर न रहें, इसके लिए विशेष ध्यान दे। साथ ही सभी जनशिक्षक वीडियो कॉल के माध्यम से विद्यालयों का अवलोकन करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मेंटरिंग के दौरान शिक्षक द्वारा शिक्षक संदर्शिका का अनिवार्य उपयोग किया जाए, विद्यार्थियों की वर्कबुक की नियमित जांच कर सुझाव तथा ऐप एवं मासिक ट्रैकर में केवल बच्चों की वास्तविक शैक्षणिक स्थिति ही अंकित करें। साथ ही ट्रैकर डाटा का विकासखंड स्तर पर सत्यापन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जिले के सभी विकासखंडवार आगामी सत्र को ध्यान में रखकर की जाने वाली गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश बीआरसी, डीपीसी को दिए। साथ ही उन्होने समय-समय पर बी एवं सी श्रेणी वाले शिक्षकों को डाईट में प्रशिक्षण प्रदान करने, कम उपस्थिति वाली शालाओं में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए

ग्राम के सरपंच, जनप्रतिनिधि के माध्यम से पालकों को बच्चों शाला में भेजने के लिए प्रेरित कराने आदि के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने एपीसी, बीआरसी, बीएसी एवं सीएसी को नियमित रूप से शालाओं का भ्रमण कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इस दौरान मिशन अंकुर प्रभारी रवि विश्वकर्मा ने एफएलएन की प्रगति एवं जादुई पिटारा सहित अन्य गतिविधियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

शिक्षकों को निलंबित करने एवं एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश- कलेक्टर बाफना ने एफएलएन के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले विकासखण्ड शाजापुर के उर्दू शा.प्रा.वि. कमरदीपुरा की शिक्षिका सायरा बानो, उर्दू शा.प्रा.वि. महूपुरा की शिक्षिका दरक्षा वारसी, शा.बा.प्रा.वि सुनेरा की शिक्षिका गायत्री करंजिया, शा.प्रा.वि. सुनेरा की शिक्षिका अरूण प्रभा शर्मा का वेतन रोकने तथा 15 दिवस में एफएलएन कार्य में प्रगति लाने तथा शा.एकी.मा.वि. नीमवाड़ी के शिक्षक रमेश मालवीय की विद्यालय में उपस्थिति कम रहने व छात्रों का स्तर कमजोर होने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर निलंबित करने के निर्देश दिए। इसी तरह विकासखण्ड मो. बड़ोदिया के शा.प्रा.वि. माधवपुर के शिक्षक केशरसिंह पागरिया को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर निलंबित करने के निर्देश दिए। शासकीय प्रावि टिगरीया के शिक्षक महेश उपाध्याय, शास. एकी. मावि कनरदीपुर के शिक्षक राजेन्द्र विश्वकर्मा की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने तथा शास.एकी. मावि उकावता अब्दूल खलील खान व शास.एकी.मावि देवरीमुल्ला के शिक्षक मो. सलीम खान को 15 दिवस में एफएलएन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। विकासखण्ड शुजालपुर के शासकीय प्रा.वि. निवालिया के शिक्षक गनी खान, शास. प्रावि भ्याना के शिक्षक रफीक खान की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने तथा शास. एकीकृत मावि निवालिया के शिक्षक अनारसिंह मालवीय, शा.प्रा.वि. सालिया के शिक्षक हेमंत कुमार उपलावदिया तथा विकासखण्ड कालापीपल में एफएलएन के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले कमजोर शिक्षको को 15 दिवस में एफएलएन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

एचपीवी टीका लगवाने के लिए पालकों को प्रेरित करें- बैठक में कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले के सभी शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने परिवार व रिश्तेदारों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं जिन्होंने अपना 14वां जन्म दिन मना लिया हो और 15वां जन्म दिन नहीं मनाया हो को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं। साथ ही अपने-अपने विद्यालयों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीका लगवाने के लिए उनके पालको को प्रेरित करें एवं उन्हें समझाईश दें कि एचपीवी वैक्सीन से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है एवं इसके कोई साईड इफेक्ट नहीं हैं, यह बहुत ही मंहगी वैक्सीन है, जिसे शासन द्वारा निःशुल्क लगाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शिप्रे, डाइट प्राचार्य अनीता श्रीवास्तव, जिला परियोजना समन्वयक धीरज बिरथरिया सहित बीआरसी, बीएसी, जनशिक्षक, शिक्षक मौजूद थे।

एचपीवी टीकाकरण के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाएं- कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय शाजापुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मक्सी में एचपीवी टीकाकरण अभियान का गुरूवार को कलेक्टर ऋजु बाफना ने निरीक्षण किया। कलेक्टर बाफना ने जिला चिकित्सालय शाजापुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मक्सी में एचपीवी टीका लगवाने आई 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं से चर्चा की एवं उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। कलेक्टर ने उक्त बालिकाओं से अपने साथ पढ़ रही व उनके ग्राम, परिवार की अन्य किशोरी बालिकाओं को भी एचपीवी टीका लगवाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। कलेक्टर बाफना ने सीएमएचओ को एचपीवी टीकाकरण के लिए आरबीएसके के माध्यम से गाड़ी व्यवस्था करने, जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर बालिकाओं की संख्या अधिक है वहां पर शिविर आयोजित करने, अभिभावकों व किशोरी बालिकाओ को प्रेरित करने, स्वास्थ्य विभाग के परिवाजनों की पात्र बालिकाओं को एचपीवी टीका

लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में वाहन पार्किंग व्यवस्था ठीक करने, टीन शेड लगवाने, जिला चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई आदि कराने के निर्देश डॉ. मैना को दिए।

सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव- कलेक्टर बाफना ने किशोरी बालिकाओं के अभिभावकों से अनुरोध किया है कि एचपीवी टीकाकरण को लेकर फैल रही भ्रांतियों, झूठी अफवाहों में नहीं आएं। कलेक्टर बाफना ने बताया कि यह वैक्सीन पूर्व में उन्होंने भी लगवाई है। कलेक्टर ने सभी अभिभावकों को समझाईश देते हुए कहा कि एचपीवी टीकाकरण से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है एवं इसके कोई साईड इफेक्ट नहीं हैं, यह बहुत ही मंहगी वैक्सीन है, जिसे शासन द्वारा निःशुल्क लगाया जा रहा है।

जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश- कलेक्टर बाफना ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, आंगनवाड़ी, आशा, सहायिका, एएनएम, सुपरवाईजर को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र किशोरी बालिका एचपीवी टीकाकरण से वंचित न रहे। कलेक्टर ने एचपीवी टीकाकरण के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ, आशा, सहायिकाओं, सचिव, रोजगार सहायक, शिक्षकों, जनपद सीईओ, सरपंचों, जनप्रतिनिधियों आदि का सहयोग लेकर अभिभावकों को प्रेरित करने एवं फैल रही भ्रांतियों, झूठी अफवाहो आदि को लेकर सही जानकारी प्रदान करने तथा उन्हें समझाईश देने के निर्देश दिए।

पात्र बालिका को एचपीवी टीका लगवाएं- कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय सेवकों के परिवार व उनके रिश्तेदारों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं जिन्होंने अपना 14वां जन्म दिन मना लिया हो और 15वां जन्म दिन नहीं मनाया हो को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य, सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना, डीपीएम शैलेन्द्र सोनी, डीएचओ, आरएमओ, बीएमओ आदि मौजूद थे।

ग्राम टिमाईची के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम टिमाईची के समीप बुधवार रात दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए हैं। दुर्घटना में एक व्यक्ति की हालत नाजुक होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज शाजापुर जिला अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना बुधवार रात करीब 8.30 बजे जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम टिमाईची के पास हुई। दोनों बाइकों की यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की डायल 112 टीम फौरन घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर मौजूद आरक्षक 537 अशोक और पायलट अंकित बारेड़ा ने तत्परता दिखाते हुए बिना समय गंवाए सभी घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हादसे में बालकृष्ण शर्मा को गंभीर चोटें आई हैं, उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर कर दिया है। वहीं, दुर्घटना में घायल तीन अन्य लोगों की पहचान नागझरी निवासी के रूप में हुई है। इनमें कमल पिता हरि नारायण, कमल पिता बंसीलाल और अंकित पिता प्रभुलाल शामिल हैं।

महाविद्यालय में हुआ स्नेह सम्मेलन का आयोजन, विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में स्नेह सम्मेलन रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ गुरूवार को संपन्न हुआ।

स्नेह सम्मेलन में अतिथि के रूप में विधायक अरूण भीमावद, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डे, अभाविप विभाग संगठन मंत्री धीरज जायसवाल मंचासीन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विपुल कसेरा ने की। अतिथियों का परिचय महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. के. तिवारी द्वारा दिया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि कड़ी मेहनत, लगन एंव सतत् परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के विकास कार्यो को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। जनभागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा ने अपने संबोधन में विकास कार्यो का ब्यौरा अतिथियों के समक्ष रखा। विशेष अतिथि धीरज जायसवाल ने विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न प्रावधानों को विधिवत पालन किए जाने पर बल दिया। विशेष अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डे ने अपनी औजस्वी वाणी से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना पर जोर दिया। स्नेह सम्मेलन में एकल-गायन, एकल-नृत्य, समूह-नृत्य और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एकल गायन में शिवम् परिहार, एकल नृत्य में हर्षिता मितोला, समूह नृत्य में बुलबुल राजपूत ग्रुप एवं भाषण प्रतियोगिता में रोहित कराड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्नेह सम्मेलन का समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम, अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाजापुर के मुख्य आतिथ्य, विशेष अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा एवं अभाविप नगरमंत्री पवन गुर्जर की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शॉर्ट सर्किट से बरपा कहर, आंखों के सामने राख हुई 100 बीघा में खड़ी गेहूं की फसल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेतों में लहलहाती सुनहरी फसल अचानक लपटों में घिर गई और किसानों की सालभर की उम्मीदें धुआं बनकर आसमान में उड़ गईं। गुरुवार सुबह ग्राम तिलावत में बिजली के शॉर्ट सर्किट से ऐसी भीषण आग भड़की कि महज एक घंटे के भीतर 100 बीघा में खड़ी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। दमकल के देरी से पहुंचने पर आक्रोशित किसानों ने खुद ही मोर्चा संभाला और 15 ट्रैक्टरों की मदद से अपनी जान जोखिम में डालकर इस विकराल आग पर काबू पाया।

ट्रैक्टरों से खींची सुरक्षा की लकीर- घटना गुरुवार सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच की है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पलक झपकते ही इसने कई खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन दमकल वाहन के पहुंचने में हुई भारी देरी से हालात और बिगड़ गए। आग को गांवों और अन्य खेतों की तरफ बढ़ता देख किसानों ने हिम्मत दिखाई। उन्होंने 15 से अधिक ट्रैक्टरों को खेतों में उतार दिया और ट्रैक्टरों से खेतों की मिट्टी पलटकर फायर लाइन (सुरक्षा लकीर) बनाई, जिससे आग का दायरा आगे नहीं बढ़ सका।

आंखों के सामने खाक हुई पूंजी, सिस्टम पर फूटा गुस्सा- अपनी आंखों के सामने खून-पसीने की कमाई को राख होता देख पीड़ित किसान शिवनारायण चौधरी और पंकज कलमोदी रो पड़े। रुआंसे स्वर में उन्होंने बताया कि उनके पास अब कुछ नहीं बचा। वहीं, घटना के बाद ग्रामीण राकेश चौधरी और राहुल पटेल ने प्रशासन की लचर व्यवस्था पर कड़ा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि दमकल समय पर पहुंच जाती, तो नुकसान को काफी हद तक टाला जा सकता था।

हर 5 पंचायत पर एक दमकल की मांग- हादसे के बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन के सामने एक अहम मांग रखी है। किसानों का कहना है कि गर्मी के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आगजनी की घटनाएं आम हो जाती हैं, इसलिए हर 5 ग्राम पंचायतों के क्लस्टर पर कम से कम एक फायर ब्रिगेड की स्थाई तैनाती की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी तबाही से बचा जा सके।

प्रशासन ने दिया मुआवजे का भरोसा- आगजनी की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार अपनी राजस्व टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने जले हुए खेतों का निरीक्षण किया और प्रभावित किसानों को ढांढस बंधाया। नायब तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि प्रभावित खेतों का मुआयना कर लिया गया है। शाम तक प्रत्येक किसान के नुकसान का सटीक आकलन कर रिपोर्ट तैयार कर ली जाएगी। इसके बाद नियमानुसार सभी प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

भावना ही जीवन का श्रेष्ठ आधार बनकर परम मोक्ष का साधन बन जाती है

तेरापंथ जैन संतश्री कोमलकुमारमुनिजी ने जैन उपाश्रय भवन बखतगढ़ में धर्मसभा के दौरान फरमाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महावीर की मार्मिक सूक्ति है कि जिसकी मोक्ष की इच्छा होती है वहीं सर्वश्रेष्ठ इच्छा है। मोक्ष में जाने का साधन - माध्यम भी इच्छा ही है। मोक्ष की इच्छा, भावना है तो वह जीवन का श्रेष्ठ आधार बनकर परम मोक्ष का साधन बन जाती है। साधु साध्वीजी के अपने घर पधारने की जो शुद्ध भावना रखता है तो निश्चित ही उसके कर्म की निर्जरा होती है।

नवकार महामंत्र के पदों की व्याख्या- नवकार महामंत्र के मुख्य पांच पदों का विवेचन करते हुए मुनिश्रीजी ने कहा कि जिन्होंने चार कर्मों को क्षय कर दिया वे अरिहंत होते है। 20 मुख्य कारणों से तीर्थंकर गौत्र का बंद होता है। जिन्होंने आठों कर्मों को क्षय कर दिए वे सिद्ध भगवंत होते है। जो आचार का बोध कराते है वे संघ के नायक अर्थात धर्माचार्य कहलाते हैं। जो आगम को पढ़ते हैं और पढ़ाते हैं उन्हें उपाध्याय कहते हैं और जो साधु बनते हैं और जो हम सभी को जिनवाणी के माध्यम से धर्म का मार्ग बताते हैं वह साधु कहलाते हैं।

इन दो पदों की कामना करना चाहिए- मुनिश्री ने कहा कि उक्त पांचों पदों में से अरिहंत, आचार्य और उपाध्याय बनने की कभी कामना नहीं करना चाहिए क्योंकि पद की कामना करने से कर्मों का बंध ही होता है। इसलिए व्यक्ति को चाहिए केवल सिद्ध एवं साधु बनने की कामना करें। इससे कर्मों की निर्जरा ही होगी।

मोह का क्षयोपक्षम होगा तो कर्मों की निर्जरा होगी- मुनिश्री ने आगे कहा कि मोह का क्षयोपक्षम होगा तो कर्मों की निर्जरा होगी और साधु बन जाएगा तथा साधु बनकर ही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्ष को प्राप्त किया जा सकता है। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि जहां कर्मों का बंध होता है वहां इच्छा नहीं करना चाहिए और जहां कर्मों की निर्जरा हो वहीं इच्छा रखना चाहिए। बचपन में जब बच्चों को संस्कार दिए जाते हैं तो जैसे जैसे उसकी उम्र बढ़ती जाती है वे संस्कार परिपक्व होते जाते हैं।

परिवार के वृद्धजन ऑक्सीजन होते है- संतश्री सिद्धार्थकुमारमुनिजी ने कहा कि घर, परिवार में जो उम्र दराज बुजुर्ग होते है वे घर की शोभा, रौनक एवं शान होते है। वे मानों परिवार के लिए ऑक्सीजन के समान होते है। उनके जीवन के अनुभव से उनसे समय समय पर उचित मार्गदर्शन मिलता है। वही मार्गदर्शन हमें सही दिशा दिखाकर हर क्षेत्र में हमारी उन्नति में सहायक बनता है। इसलिए परिवार के वृद्धजनों की विशेष सेवा करने का लक्ष्य होना चाहिए।

श्याम सुंदर से शिव मिलन के साथ फाग उत्सव संपन्न

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कुबेरेश्वर धाम महादेव मंदिर आलोट पर अष्टमी के पावन अवसर पर दोपहर 12 बजे से 4ः00 बजे तक फाग उत्सव मनाया गया जिसमें बाबा श्याम का दरबार लगाया गया दिव्यजोत मीरा पीठ आश्रम प्रतापगढ़ गंधेर राजस्थान पीठाधीश्वर से पधारी साध्वी अर्पणा जी मेनारिया द्वारा बाबा श्याम की दिव्या ज्योत लगाकर भाग उत्सव की शुरुआत की गई सुमधुर भजनों के साथ बाबा श्याम के कीर्तन के साथ भाग उत्सव मनाया गया जीवन में जिसने सत्संग रंग अपने जीवन में उतार लिया वह बड़ा सौभाग्यशाली है दीदी ने आशीर्वचन कहा और रंग गुलाल के साथ फूलों की होली खोली गई जिसमें बड़ी संख्या में माता बहने श्रद्धालु जन कुबरेश्वर धाम मंदिर पहुंचे समिति द्वारा पीठाधीश्वर साध्वी अर्पणा जी मेनारिया का सम्मान किया गया साथी श्याम सुंदर से शिव मिलान करवाया गया यह जानकारी समिति के द्वारा मीडिया को दी गई फाग उत्सव पहली बार आयोजित किया गया जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया श्रीकुबरेश्वर धाम महादेव मंदिर समिति आए दिन ऐसे आयोजन करती रहती है जिसको लेकर सभी नगर में बड़ा उत्साह देखने को मिलता है।

77वें सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ में उमड़ा आस्था का सैलाब, रामेश्वरम् कॉलोनी में छप्पन भोग के साथ संपन्न हुआ सत्संग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा में धर्म, आध्यात्म और सत्संग की परंपरा के लिए प्रसिद्ध शहर अब मंदिरों की नगरी के साथ-साथ सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ की नगरी के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। पिछले 77 सप्ताह से लगातार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित हो रहे सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ में उमड़ रही भक्तों की भीड़ इस आस्था और श्रद्धा का प्रमाण दे रही है।

अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा के विद्वान, रामराष्ट्र आराधक और ओजस्वी वक्ता संत श्री चेतनराम जी की पावन प्रेरणा से शहर में शुरू हुए इस धार्मिक प्रकल्प में हर सप्ताह सनातन परिवार के सदस्यों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में इस बार 77वां सामूहिक पाठ रामेश्वरम् कॉलोनी में भगवान को छप्पन भोग अर्पित करते हुए श्रद्धा और भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सत्संग का शुभारंभ श्रीहनुमान जी के चित्र और श्रीलालन के सुंदर विग्रह के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर रहवासी जगदीश सोढ़ानी, गोविंद विजयवर्गीय, बलराम सोढ़ानी, अक्षय बैरागी, प्रहलाद लढ़ा, कविंद्र शास्त्री, रामकृष्ण मारु, सुनील बाहेती, दीपक श्रीमाल, गिरीराज कसेरा, मुकेश सेन, मुकेश पोरवाल, विजय समदानी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

ज्ञानदीप मंडल द्वारा जल पात्र और चाठीयों का निशुल्क वितरण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्ञानदीप मंडल बदनावर द्वारा गर्मी में पक्षियों के लिए जल पात्र (सकोरा) एवं बड़े पशुओं के लिए चिन्हित जगह पर चाठीए (हौज)निशुल्क रखे जाएंगे। अध्यक्ष विजय बाफना ने बताया की ज्ञानदीप मॉडल जीव दया के इस प्रकल्प के तहत विगत 13 वर्षो से सकोरा और चाठीया निशुल्क वितरित कर रहा है। यह 14 वर्ष है जब ज्ञानदीप मंडल जन सहयोग के माध्यम से मिट्टी के सकोरे जल पात्र पक्षियों के लिए एवं चाठीयों का निर्माण करवा कर वितरण करता रहा है मांग अनुसार सीमेंट के बड़े चाठिए ,रखे जाते हैं जिससे बड़े पशु पानी पी सके। भीषण गर्मी में जल के अभाव में पक्षियों का असमय काल कवलित हो जाना दुखदाई है । इसलिए ज्ञानदीप मंडल प्रति वर्ष सकोरों/चाठीयों का निःशुल्क वितरण करता है। इस अभियान के नियुक्त संयोजक चेतन रांका ने बताया कि इस वर्ष यह वितरण कार्य 22 मार्च 2026 रविवार को किया जावेगा .हौज चाठियों के रखने हेतु अध्यक्ष विजय बाफना से संपर्क करें और मांग अनुसार चिन्हित जगह भी बताएं।

करंट की चिंगारी बनी किसानों की तबाही!

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के चोथखेड़ा और जमुनिया के बीच फोरलेन हाईवे से सटे खेतों में गुरुवार दोपहर अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और करीब 100 से 150 बीघा में खड़ी गेहूं की तैयार फसल जलकर राख हो गई। किसानों के अनुसार आग की वजह बिजली लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है।

घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। खेतों में काम कर रहे किसान आग की लपटें देख बदहवास हो उठे और किसी तरह बचाव में जुटे, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और साल भर की मेहनत कुछ ही मिनटों में राख में तब्दील हो गई।

पीड़ित किसानों घीसालाल मालवीय, सुशील नागौरी, नवीन नागौरी और राकेश गुर्जर सहित अन्य किसानों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइनें काफी नीची लटक रही हैं, जिसकी शिकायत कई बार विभाग को की गई, लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। किसानों के मुताबिक इसी लापरवाही के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ और आग भड़क गई।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 4 से 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई। वहीं तहसीलदार, पटवारी सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

हालांकि किसानों का आरोप है कि अब तक न तो नुकसान का सही पंचनामा बनाया गया है और न ही मुआवजे को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन मिला है।

अपनी आंखों के सामने खाक हुई फसल को देखकर किसान गहरे सदमे में हैं। पीड़ित किसानों ने सरकार और प्रशासन से तत्काल सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वे इस भारी आर्थिक नुकसान से उबर सकें।

मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम.पी. अहमद बिजनेस भूषण पुरस्कार से सम्मानित

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2026 समारोह में प्रदान किया सम्मान

मुंबई। मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, श्री एम.पी. अहमद को लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित बिजनेस भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र के साथ-साथ समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है।

मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित इस भव्य समारोह में राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। पुरस्कार वितरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस अवसर पर लोकमत के चेयरमैन श्री विजय दरड़ा, कई मंत्री, अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

लोकमत मीडिया ग्रुप द्वारा प्रस्तुत यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने नेतृत्व और उपलब्धियों से न सिर्फ उद्योगों को नई दिशा दी है, बल्कि समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाई है। एम. पी. अहमद को यह सम्मान उनके उल्लेखनीय उद्यमी सफर और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेलर तथा भारतीय मूल का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेलर बनाने में निभाई गई भूमिका के लिए दिया गया।

सम्मान प्राप्त करने पर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स में बिज़नेस भूषण अवॉर्ड प्राप्त करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह सम्मान पूरे मलाबार परिवार की सामूहिक प्रतिबद्धता और हमारे ग्राहकों द्वारा वर्षों से हम पर जताए गए भरोसे को दर्शाता है। हमारी यात्रा सभी हितधारकों की सामूहिक प्रगति के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें जिम्मेदारी, ईमानदारी और समाज के लिए स्थायी मूल्य सृजित करने की प्रतिबद्धता हमारा मार्गदर्शन करती है। हम हर काम में उत्कृष्टता हासिल करने के अपने प्रयास को जारी रखेंगे।

1993 में स्थापित मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स जिम्मेदार और पारदर्शी ज्वेलरी रिटेल को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। कंपनी ने रोजगार सृजन, संगठित रिटेल इकोसिस्टम को मजबूत करने और विश्वस्तरीय डिज़ाइन व सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आज यह ब्रांड भारत का एक सच्चा प्रतिनिधि बनकर उभरा है, जो अपनी कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा है। वर्तमान में कंपनी के 14 देशों में 425 शोरूम हैं। डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर रिटेल तक पूरी वैल्यू चेन को एकीकृत करके ब्रांड ने ज्वेलरी उद्योग को नई दिशा दी है।

महाराष्ट्र मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है, जहां प्रमुख शहरों में कंपनी के 34 शोरूम संचालित हो रहे हैं। इस विस्तार से रोजगार बढ़ा है, संगठित ज्वेलरी इकोसिस्टम मजबूत हुआ है और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता वाले डिज़ाइनों तक अधिक पहुंच मिली है। राज्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। कंपनी ने 2029 तक महाराष्ट्र में 64 स्टोर तक विस्तार का लक्ष्य रखा है।

श्री अहमद ने बिजनेस बढ़ाने के साथ-साथ समाज की भलाई को भी हमेशा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कंपनी की शुरुआत से ही एक नियम बनाया है कि वे अपने मुनाफे का 5त्न हिस्सा सामाजिक कार्यों में लगाएंगे। यह पैसा शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबों के लिए घर बनाने और महिला सशक्तिकरण जैसे जरूरी कामों पर खर्च किया जाता है, जिससे समाज के हर वर्ग को फायदा मिल रहा है।

प्रेरणादायक व्यक्तित्व के धनी श्री अहमद को बिजनेस भूषण पुरस्कार मिलना इस बात का प्रमाण है कि वे भारत के सबसे सम्मानित बिजनेस लीडर्स में से एक हैं। उनका काम करने का तरीका और उनके ऊंचे विचार न केवल आज के उद्यमियों के लिए प्रेरणा हैं, बल्कि भविष्य की कंपनियों के लिए भी एक बेहतरीन मिसाल हैं कि कैसे व्यापार और समाज की सेवा साथ-साथ की जा सकती है।

आई पी एस वैभव प्रिय बने बड़ावदा थाना प्रभारी पदभार ग्रहण करते ही रात्रि मे लगायी गश्त

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा थाने मे थाना प्रभारी के पद पर आई पी एस वैभव प्रिय को प्रभार दिया गया यह समय बड़ावदा थाना और बड़ावदा थाना अंतर्गत आने वाले गांव कि जनता के लिए बहुत अच्छा है कि उनके थाने का प्रभार एक आई पी एस अधिकारी को मिला है, सबसे खास बात यह है कि आई पी एस वैभव प्रिय को कार्य करने के लिए सबसे पहले रतलाम जिला मिला और पहला थाना भी बड़ावदा मिला जो कि रतलाम जिले मे ही आता है। अधिकारी जितनी अधिक योग्यता रखता है उतने ही अच्छे परिणाम भी आते है क्योंकि अधिक योग्यता रखने वाले अधिकारी कि बोलने, सोचने समझने और समझाने कि योग्यता अधिक होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि निश्चित ही प्रोफेशनल ट्रेनिंग पर आए वैभव प्रिय से नगर सहित अंचल में अपराधों एवं अवैध गतिविधियों पर अकुंश लगेगा एवं रिश्वतखोरी पर भी अंकुश लगेगा। इस दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों, अपराध नियंत्रण और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षु अधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाएगा तथा कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने आगामी सीजन की भारी मांग को देखते हुए OJA 2130 ट्रैक्टर सीरीज की सप्लाई और निर्माण क्षमता बढ़ाई

खास तौर पर तैयार की गई OJA 2130 ट्रैक्टर सीरीज़ भारतीय किसानों की उत्पादकता, आराम और लागत-प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है

मुंबई। महिंद्रा ग्रुप का हिस्सा और भारत का नंबर 1 ट्रैक्टर ब्रांड, महिंद्रा ट्रैक्टर्स, अपनी भविष्य के लिए तैयार ओजा रेंज के ओजा 2130 सीरीज की सप्लाई और निर्माण क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। 30 HP श्रेणी में यह सीरीज तीन वेरिएंट्स में उपलब्ध है- ओजा 2130 – PROJA, ओजा 2130 लार्ज टायर (9.5×18 टायर के साथ) और ओजा 2130 नैरो ट्रैक स्नक्र(फॉरवर्ड + रिवर्स) शटल के साथ।

ओजा 2130 सीरीज़ के माध्यम से महिंद्रा का उद्देश्य उन्नत तकनीक, बेहतर प्रदर्शन और बहुउद्देशीय समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि बागवानी, अंगूर के बाग, इंटरकल्चरल खेती, गन्ना और कपास जैसी कई तरह की कृषि गतिविधियों के लिए भरोसेमंद ट्रैक्टर प्रदर्शन मिल सके और प्रगतिशील किसानों की बदलती जरूरतें पूरी हो सकें।

मजबूत कोर तकनीकों पर आधारित ओजा प्लेटफॉर्म प्रदर्शन और उपयोगकर्ता अनुभव को काफी बेहतर बनाता है। अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पावर-टू-वेट रेशियो के साथ ओजा2130 सीरीज़ विभिन्न खेती कार्यों के लिए अधिक शक्ति और फुर्ती प्रदान करती है। स्टैंडर्ड 4WD अलग-अलग तरह की जमीन पर बेहतर पकड़ और उत्पादकता सुनिश्चित करता है।

नई ओजाट्रैक्टर सीरीज़ के केंद्र में उन्नत और शक्तिशाली तीन-सिलेंडर DI इंजन है, जो 83.7 Nm टॉर्क प्रदान करता है। इसमें हाई बैक-अप टॉर्क के साथ बेहतर ईंधन दक्षता और लोड सहने की क्षमता भी मिलती है।

नई ओजाट्रैक्टर सीरीज़ में कई ऐसे प्रमुख फीचर्स हैं जो इसके प्रदर्शन और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाते हैं। इन ट्रैक्टरों में अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ टर्निंग रेडियस और ग्राउंड क्लीयरेंस है, जिससे यह तंग जगहों में भी आसानी से चलाए जा सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक ड्राफ्ट और डेप्थ कंट्रोल जैसे फीचर्स और हिच पॉइंट पर 950 किलोग्राम की लिफ्ट क्षमता इसे कई प्रकार के खेती कार्यों के लिए मजबूत और सटीक बनाते हैं। इंडस्ट्री-फर्स्ट ऑटोमेशन कंट्रोल्स से संचालन में और अधिक सटीकता और सुविधा मिलती है।

इसके अलावा ऑपरेटर के आराम को ध्यान में रखते हुए इसमें इंडस्ट्री-फर्स्ट टिल्ट और टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग, तथा साइड-शिफ्ट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। ओजारेंज कम संचालन लागत और समय के साथ कम रखरखाव खर्च के माध्यम से किसानों को बेहतर लागत-प्रभावशीलता भी प्रदान करती है।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स में सेल्स, मार्केटिंग और नेशनल बिज़नेस ऑपरेशंस के प्रमुख परीक्षित घोष ने कहा, ओजाऊर्जा का एक पावरहाउस है और महिंद्रा ट्रैक्टर्स में हम बागवानी, गन्ना, कपास जैसे प्रमुख कृषि क्षेत्रों में किसानों की बदलती जरूरतों को देखते हुए ओजा2130 सीरीज़ की बढ़ती मांग के लिए तैयारी कर रहे हैं। इन ट्रैक्टरों के साथ महिंद्रा 21-30 HP श्रेणी में अपनी नेतृत्व स्थिति को और मजबूत कर रहा है और तकनीक-आधारित समाधानों के माध्यम से देशभर में खेती के तरीकों को बदलने में किसानों को सक्षम बना रहा है।÷

ओजा 2130 PRओजावेरिएंट, जिसे प्रोडक्टिविटी मॉडल भी कहा जाता है, हर प्रकार के खेती कार्य में अधिकतम दक्षता देने के लिए तैयार किया गया है। इसका F/R Shuttle बेहतर रिवर्स स्पीड विकल्प प्रदान करता है, जिससे खेत में बार-बार आगे-पीछे चलने वाले कार्य आसान हो जाते हैं। अत्यधिक सटीकता वाले कार्यों के लिए Creeper मोड अल्ट्रा-लो स्पीड पर चलने की सुविधा देता है, जिससे बीज बोने और पौधारोपण जैसे काम अधिक सटीकता से किए जा सकते हैं।

पावरफुल प्रोजेक्टर लैंप 24म7 काम को आसान बनाते हैं और घने खेतों में भी बेहतर रोशनी प्रदान करते हैं। Wet Electric PTO विभिन्न उपकरणों के साथ लगातार बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है, जिससे उत्पादकता बढ़ती है और लंबे समय तक PTO-आधारित कार्य करते समय ऑपरेटर की थकान भी कम होती है।

इसका 3DI इंजन स्मूथ ऑपरेशन, कम शोर और कंपन तथा उच्च टॉर्क के साथ भारी-भरकम कार्यों के लिए भरोसेमंद प्रदर्शन देता है। साथ ही टिल्ट और टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग लंबे समय तक काम करने के दौरान ऑपरेटर को अधिक आराम और सुविधा देता है।

ओजा 2130 नैरो ट्रैक (FR शटल के साथ)- ओजा 2130 Narrow Track with FR Shuttle विशेष रूप से उन फसलों के लिए विकसित किया गया है जहाँ पंक्तियों के बीच कम दूरी होती है। 914 मिमी की संकरी ट्रैक चौड़ाई और कॉम्पैक्ट 8×18 इंच टायरों के साथ यह ट्रैक्टर गन्ना, कपास, केला और बागवानी जैसी फसलों के लिए उपयुक्त है।

इस ट्रैक्टर में 8 फॉरवर्ड + 8 रिवर्स गियरबॉक्स के साथ FR Shuttle दिया गया है, जिससे ऑपरेटर आसानी से बार-बार दिशा बदल सकता है। इस वेरिएंट में टिल्ट और टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग भी दिया गया है, जिससे लंबे समय तक काम करते समय बेहतर आराम और नियंत्रण मिलता है।

संकरी ट्रैक डिजाइन और किसान-अनुकूल एर्गोनॉमिक्स का संयोजन ओजा 2130 Narrow Track FR Shuttle को उन विशेष फसल अनुप्रयोगों के लिए आदर्श बनाता है जहाँ फुर्ती और सटीकता की आवश्यकता होती है।

ओजा 2130 बड़े टायर (9.5×18) के साथ- बड़े टायरों वाला ओजा2130 एक बहुउद्देशीय ट्रैक्टर के रूप में डिजाइन किया गया है, जो विभिन्न प्रकार की कृषि परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। यह असमान या चुनौतीपूर्ण जमीन पर भी बेहतर स्थिरता और मजबूत पकड़ प्रदान करता है।

इस ट्रैक्टर में 8 फॉरवर्ड + 4 रिवर्स गियर कॉन्फ़िगरेशन दिया गया है, जो स्मूथ गियर शिफ्टिंग, बेहतर ईंधन दक्षता और ढुलाई व खेत दोनों प्रकार के कामों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है।

महिंद्रा की इंडस्ट्री-बेस्ट छह साल की वारंटी के साथ आने वाले नए ओजा ट्रैक्टर टिकाऊपन और लंबे समय तक भरोसेमंद उपयोग के लिए तैयार किए गए हैं और देशभर में महिंद्रा ट्रैक्टर्स के डीलरशिप पर उपलब्ध हैं।

गणगौर महापर्व की पारंपरिक झेल निकली, बैंड-बाजों और लोकगीतों के बीच महिलाओं ने निभाई आस्था और परंपरा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शीतला सप्तमी के बाद अग्र चेतना क्लब नीमच द्वारा 16 दिवसीय गणगौर महापर्व का उल्लासपूर्ण आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गांधी वाटिका से गणगौर की झेल निकाली गई। बैंड-बाजों और पारंपरिक गीतों के साथ निकली यह झेल श्रद्धा और उत्साह का आकर्षक दृश्य बन गई।

गणगौर की झेल गांधी वाटिका से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विजय टॉकीज चौराहा, 40 नंबर चौराहा और कमल चौक से गुजरते हुए नरसिंह मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते भर श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन के साक्षी बने और महिलाओं के साथ लोकगीतों की मधुर धुनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। झेल प्रारंभ होने से पहले गांधी वाटिका में महिलाओं ने विधि-विधान से गणगौर माता और ईशर भगवान की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने गणगौर और ईशर को जल अर्पित किया तथा पारंपरिक रूप से गणगौर के झाले दिए। आयोजन के दौरान अग्र चेतना क्लब द्वारा सुपर गणगौर और बेस्ट ईशर-गणगौर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

बोलो सांवरिया सेठ की जय, चांदी की गिट्टी मशीन व चांदी का डंफर के साथ निमंत्रण दिया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऐतिहासिक श्री सांवरिया सेठ की यात्रा श्री सांवरिया सेठ जनकल्याण सेवा समिति के संरक्षक विधायक डॉ. सतीश मालवीय यात्रा संयोजक समाजसेवी जिला पंचायत सदस्य बालू खींची के नेतृत्व में सैकड़ों वाहनों के साथ हजारों की संख्या में उन्हेल से सांवरिया सेठ मंडफिया राजस्थान पहुंचे। जहां पर हजारों श्रद्धालुओं के साथ चल समारोह के रूप में डीजे बैंड पर नाचते हुए मंदिर पहुंचकर उन्हेल में होने जा रही 51 कन्याओं के विवाह का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर यात्रा संयोजक बालू खींची परिवार द्वारा सांवरिया सेठ को चांदी की गिट्टी मशीन व चांदी का डंफर भेंट किया इस अवसर पर कथा वाचक पंडित भीमाशंकर शास्त्री व उन्हेल गौ लौक धाम के पंडित शिव शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन मौजूद थे।

बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रति उत्साह का माहोल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्ग दर्शन में आयोजित बाबूजी प्रीमियर लीग किकेट प्रतियोगिता के प्रति खेल प्रेमियों का आर्कषण बरकरार है। बुधवार की रात्रि में आठ मुकाबले खेले गए। नॉक आउट मुकाबले में फ्रेडस क्लब गाजनोद ने बखतगढ 11 को 51 रनों से हराकर अगले दोर हेतु क्वालीफाई किया वही किंग 11 पाना ने छोकला 11 को 7 विकेट से हराकर क्वालीफाई किया।

बीपीएल प्रतियोगिता में बुधवार को खिलाडियों को मेडम, प्रमाण पत्र एवं मेन आफ द मेंच का पुरुष्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पाटीदार समाज संगठन तहसील अध्यक्ष मीनेश पाटीदार, विशेष अतिथि ग्राम खेडा पाटीदार समाज अध्यक्ष सोहनलाल सेठ एवं पाटीदार समाज के युवा सचीन पाटीदार, पार्षद जगदीश पाटीदार, बालकृष्ण उर्फ बरकत पाटीदार, महेश मुकाती, अरुण तारे, बीएल पाटीदार व संदीप पाटीदार थे। अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार ने की। अतिथियों द्वारा टॉस कर खिलाडियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत मेच खेले गए। अतिथियों का स्वागत देवपालसिंह जादव, अनिल जाट, उमेश पाटीदार, राजन जाट, आशिष जोशी, परमानंद गुर्जर ने किया गया। अतिथियों को विधायक भंवरसिह शेखावत की और से स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गये।

बाबूजी प्रीमियर लीग के दूसरे दिन का पहला मुकाबला किंग 11 पाना व तिलगारा के बीच खेला गया। जिसमें किंग 11 ने 17 रनों से जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबल में मुन्ना क्रिकेट क्लब को छोकला 11 ने 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। तथा जागता बाबा किक्रेट क्लब ने खडी 11 को 6 विकेट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। चैपाटी किंग ने याराना 11 को 6 विकेट से हराया। रणजीत 11 सेमलिया ने नगर परिषद बदनावर को 7 विकेट से पराजित किया।

बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर खिलाडियों में काफी उत्साह का माहोल है। देर रात तक चलने वाले मुकाबले देखने हेतु बडी संख्या में किकेट प्रेमी मौजूद रहते है।

सामाजिक आयोजनों में बढ़ता ड्रेस कोडः दिखावे की दौड़ में बढ़ता आर्थिक बोझ और हीन भावना

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक आयोजनों में एक नई प्रवृत्ति तेजी से उभरकर सामने आई है–ड्रेस कोड। पहले यह व्यवस्था मुख्य रूप से स्कूलों, कार्यालयों या कुछ औपचारिक संस्थानों तक सीमित हुआ करती थी, लेकिन अब जन्मदिन, सगाई, विवाह, सालगिरह, पारिवारिक मिलन और यहां तक कि धार्मिक कार्यक्रमों में भी आयोजकों द्वारा ड्रेस कोड तय किया जाने लगा है। देखने में यह व्यवस्था आधुनिक और आकर्षक प्रतीत होती है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर गंभीरता से विचार करना भी आवश्यक हो गया है।

मध्यम वर्ग पर बढ़ता अतिरिक्त आर्थिक दबाव- इस प्रवृत्ति का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। भारत में मध्यम वर्ग समाज का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो सीमित आय में अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करता है। ऐसे परिवारों के लिए हर अतिरिक्त खर्च सोच-समझकर करना पड़ता है।

जब किसी समारोह में शामिल होने के लिए विशेष प्रकार के कपड़े पहनना अनिवार्य कर दिया जाता है, तो कई लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध भी नए कपड़े खरीदने पड़ते हैं। कई बार यह खर्च अनावश्यक होते हुए भी सामाजिक दबाव के कारण करना पड़ता है। परिणामस्वरूप मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ जाता है।

समाज में हीन भावना का भी खतरा- ड्रेस कोड की अनिवार्यता समाज में हीन भावना को भी जन्म दे सकती है। हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति समान नहीं होती। कुछ

लोग आसानी से महंगे और फैशनेबल कपड़े खरीद सकते हैं, जबकि कुछ लोगों के लिए यह संभव नहीं होता।

ऐसे में जिन लोगों के पास निर्धारित ड्रेस कोड के अनुरूप कपड़े नहीं होते, वे कार्यक्रमों में स्वयं को असहज महसूस करने लगते हैं। कई बार लोग ऐसे आयोजनों में शामिल होने से भी कतराने लगते हैं और धीरे-धीरे दूरी बनाने लगते हैं। इससे समाज में समानता की भावना कमजोर पड़ती है और अनजाने में सामाजिक दूरी बढ़ने लगती है।

पहले थी सादगी और स्वतंत्रता- यदि अतीत की ओर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि पहले सामाजिक आयोजनों में इस प्रकार की प्रवृत्ति को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था। लोगों को अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार कपड़े पहनने की पूरी स्वतंत्रता होती थी। सादगी और अपनापन ही ऐसे आयोजनों की असली पहचान हुआ करते थे।

विवाह समारोहों में भी उठने लगी आवाज- विवाह जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भी ड्रेस कोड को लेकर समय-समय पर विरोध देखने को मिला है। विवाह भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण उत्सव होता है, जहां रिश्तेदार, मित्र और समाज के लोग एकत्र होकर खुशियां साझा करते हैं।

कई लोगों का मानना है कि शादी जैसे अवसरों पर लोगों को अपनी परंपरा, संस्कृति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार वस्त्र पहनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। अनिवार्य ड्रेस कोड इस स्वाभाविकता को सीमित कर देता है।

दिखावे से ज्यादा जरूरी है अपनापन- सामाजिक आयोजनों का मूल उद्देश्य लोगों को जोड़ना, खुशियां बांटना और रिश्तों को मजबूत करना होता है। लेकिन यदि इन आयोजनों में अत्यधिक औपचारिकता और दिखावे को महत्व दिया जाने लगे, तो उनका मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। ड्रेस कोड की अनिवार्यता कई बार लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती है और वे इस बात को लेकर चिंतित रहने लगते हैं कि वे तय किए गए मानकों के अनुसार तैयार हो पाएंगे या नहीं।

सकारात्मक पहलू भी हैं, लेकिन- यह भी सच है कि कुछ लोग ड्रेस कोड को सकारात्मक पहलू के रूप में देखते हैं। उनका मानना है कि इससे आयोजन में एकरूपता और आकर्षण बढ़ता है। कई आधुनिक आयोजनों में थीम आधारित ड्रेस कोड का चलन भी बढ़ा है, जिससे कार्यक्रम की तस्वीरें और वातावरण अधिक व्यवस्थित और सुंदर दिखाई देता है।

लेकिन जब यह व्यवस्था स्वैच्छिक रहने के बजाय सामाजिक दबाव का रूप ले लेती है, तब यह समस्या बन जाती है।

जरूरी है संतुलित सोच- समाज के जानकारों का मानना है कि इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। यह ध्यान रखना होगा कि समाज में सभी प्रकार के लोग रहते हैं और हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति अलग-अलग होती है। इसलिए सामाजिक आयोजनों में सरलता और सादगी को भी महत्व दिया जाना चाहिए।

सच्ची खुशी कपड़ों से नहीं, लोगों से होती है- अंततः किसी भी सामाजिक कार्यक्रम की असली सुंदरता लोगों की उपस्थिति, आपसी प्रेम और उत्साह से बढ़ती है, न कि केवल कपड़ों की समानता से। यदि समाज इस बात को समझे और अनावश्यक दिखावे से दूर रहे, तो सामाजिक समारोह अधिक सहज, समावेशी और आनंदपूर्ण बन सकते हैं।

चलते-चलते- इस विषय पर चर्चा का उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं है, बल्कि समाज में बढ़ती इस प्रवृत्ति पर चिंतन करना है। कहीं ऐसा न हो कि फैशन और दिखावे की दौड़ में हम अनजाने में अपने ही लोगों से दूरियां बढ़ा लें।

किसी ने सही कहा है – अपने चेहरे पर खुशी लाने के लिए दूसरों के चेहरे की खुशी मत छीनो, बल्कि उनके चेहरे पर मुस्कान लाओ जो तुम्हें देख रहे हैं।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन भवन में नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप हुए

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन धर्मावलंबियों के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेवजी के जन्म कल्याणक दिवस प्रसंग पर श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ पर दोपहर 3 से 4 बजे तक सामायिक आराधना के साथ नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप हुए। इसमें आराधकों ने सामायिक आराधना के साथ महामंत्र की एक स्वर में स्तुति की। ÷बोल बोल आदेश्वर दादा काई थारी मरजी रे मासे मुंडे बोल÷ स्तवन की सामूहिक मधुर स्तुति पर सभी का मन मयूर मानो झूम उठा। पश्चात वरिष्ठ श्राविका झमुबाई दरड़ा द्वारा बड़ी एवं छोटी मांगलिक श्रवण करवाई गई। सामूहिक जाप आराधना के बाद उमरावमल दरड़ा एवं पूजा पुखराजमल कटारिया परिवार ने पृथक पृथक प्रभावना वितरण का लाभ लिया।

टोल प्लाजा का विधायक ने किया अवलोकन, आजीविका मिशन की महिलाओं द्वारा टोल को किया जा रहा है संचालित

आगर मालवा/भागीरथ देवड़ा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महिला समूह संगठन द्वारा संचालित चाचाखेड़ी टोल प्लाजा का विधानसभा आगर विधायक मधु गहलोत ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने टोल संचालन कर रही महिलाओं से चर्चा कर उनके कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

उल्लेखनीय है कि चाचाखेड़ी टोल प्लाजा का संचालन आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह के संगठन द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की पहल पर महिलाओं को विभिन्न विभागों से समन्वय के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी महिला समूह को सौंपी गई है। सड़क परिवहन निगम के माध्यम से हुए करार के तहत टोल संचालन का कार्य महिलाओं को दिया गया है।

महिला समूह द्वारा पिछले ढाई वर्षों से टोल का सफल संचालन किया जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक उल्लेखनीय उदाहरण बनकर सामने आया है। 2 सितंबर 2023 से संचालित इस टोल प्लाजा के माध्यम से महिला समूह द्वारा अब तक लगभग 2 करोड़ रुपये का शुल्क संग्रह किया जा चुका है।

टोल से प्राप्त कमीशन के माध्यम से 15 महिलाओं को प्रतिमाह नियमित रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

इस अवसर पर विधायक मधु गहलोत ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है, जिसमें महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

खाटू श्याम यात्रा के बीच नीमच में रहस्यमयी मौत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के व्यस्त टैगोर मार्ग स्थित कमल चौक पर बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब दिल्ली से खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे एक 50 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने मृतक के साथ मौजूद महिला द्वारा मारपीट किए जाने का दावा किया है, जिससे मामले ने और भी रहस्यमय मोड़ ले लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुट गई है।

ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने वाली गैंग का किया पर्दाफाश दो और आरोपी आए पुलिस कि पकड़ में

ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी कर स्थानीय जेसीबी पोकलेन संचालकों को बेचते थे आरोपी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई पुलिस ने ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है जिसमें अब तक 4 आरोपी गिरफ्तार, किये है आरोपी इस चोरी का ऑयल स्थानीय बाजार में बेचते थे

सलसलाई पुलिस ने ट्रांसफार्मर से तेल चोरी के मामले में शेष दो आरोपियों को गुरुवार को शाजापुर से गिरफ्तार किया । पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी में इस्तेमाल वाहन और 141 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल सहित 5 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया है।

पूरा मामला 7 फरवरी का है जहाँ आरोपी द्वारा खरसोदा और चौकी मुरादाबाद के जंगलों में लगे ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी कि थी। इस संबंध में थाना सलसलाई में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। जिसमें थाना प्रभारी जनकसिंह रावत के नेतृत्व में इस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाजापुर निवासी आमिर पिता शब्बीर और असलम उर्फ बाबू पिता वली मोहम्मद 38 वर्ष शाजापुर के रूप में हुई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चोरी का महंगा ऑयल स्थानीय क्षेत्र में जेसीबी, पोकलेन और हार्वेस्टर मालिकों को बेचते थे। वे जिले के अन्य क्षेत्रों में भी तेल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की घटना में इस्तेमाल की गई जायलो कार (एमपी 09 बीसी 1453) और 141 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल जब्त किया है। जब्त किए गए ट्रांसफार्मर ऑयल की कीमत 16,920 रुपये और जायलो कार की कीमत 5 लाख रुपये बताई गई है। कुल जब्त सामान की कीमत 5 लाख 16 हजार 920 बताई गई वही जो दो शेष आरोपी फरार चल रहे थे उनको गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया जिसमें आरोपी जमील अल्बासी उर्फ पप्पू (40) और अरशद उर्फ भय्यु (20) के रूप में हुई जिनको आज न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेजा गया इस अहम खुलासे में थाना प्रभारी जनक सिंह रावत व पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जनकसिंह रावत, कमल किशोर मालवीया,बलराम यादव,रामबहादुर, अरविंद जाटव,मनोज तिवारी, गोविंद सिंह,दिनेश नायक, सुरेश दांगी, देवीसिंह दांगी,नितेश सेन, अरुण वर्मा, दिनेश भाबर, संदीप यादव, और सुभाष दांगी,कुलदीप भिलाला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नीमच- सिंगोली रोड निर्माण बना ग्रामीणों की मुसीबत, दड़ौली में उड़ती धूल से लोग त्रस्त ! प्रशासन से लगाई गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के दड़ौली गांव में इन दिनों नीमच - सिंगोली सड़क निर्माण कार्य के चलते उड़ रही धूल ने ग्रामीणों का जीना मुश्किल कर दिया है। सड़क पूरी तरह से ख़राब हो जाने के कारण दिनभर धूल के गुबार उठते रहते हैं, जिससे गांव के लोग खासे परेशान हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क से गुजरने वाले वाहनों के साथ इतनी धूल उड़ती है कि वह सीधे घरों के अंदर तक पहुंच जाती है। घरों के आंगन, कमरों और छतों पर धूल की मोटी परत जम जाती है। लगातार धूल के संपर्क में आने से कई लोग खांसी, एलर्जी और सांस की परेशानी जैसी बीमारियों से भी जूझ रहे हैं। खेतों में खड़ी फसलों और सड़क किनारे पेड़-पौधों पर भी धूल की मोटी परत जम गई है, जिससे हरियाली भी धुंधली पड़ गई है।

न्यायालय ने धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा प्रस्तुत चुनाव याचिका को निरस्त करते हुए महिपाल सिंह पंवार का निर्वाचन वैध माना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद बदनावर के वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद चुनाव को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका पर न्यायालय ने निर्णय देते हुए याचिका को निरस्त कर दिया है। यह याचिका वार्ड 8 के भाजपा प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी महिपाल सिंह पंवार के विरुद्ध प्रस्तुत की गई थी।

प्रकरण के अनुसार वर्ष 2022 में नगर परिषद बदनावर के चुनाव में वार्ड क्रमांक 8 से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में धर्मेन्द्र शर्मा, कांग्रेस से महिपाल सिंह पंवार तथा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सुरेश माली मैदान में थे। 6 जुलाई 2022 को मतदान सम्पन्न हुआ तथा 17 जुलाई 2022 को मतगणना के बाद महिपाल सिंह पंवार को मात्र एक मत से विजयी घोषित किया गया था।

पराजित प्रत्याशी धर्मेन्द्र शर्मा ने न्यायालय में चुनाव याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि चुनाव के दौरान कुछ मतदाताओं द्वारा दो अलग-अलग वार्डों में मतदान किया गया तथा एक मतदाता ने ग्राम पंचायत घटगारा और नगर परिषद बदनावर दोनों स्थानों पर मतदान किया, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और महिपाल सिंह पंवार को अनुचित लाभ मिला। याचिका में यह भी कहा गया कि यदि ऐसे कथित अवैध मत निरस्त किए जाएं तो वे स्वयं विजयी घोषित होने के पात्र हैं। प्रत्यर्थी पक्ष की ओर से अधिवक्ता द्वारा इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा गया कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार सम्पन्न हुई है। किसी मतदाता द्वारा दो बार मतदान किए जाने का कोई प्रमाण नहीं है और मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के आधार पर ही मतदान किया जाता है।

प्रकरण में दोनों पक्षों के साक्ष्य एवं दस्तावेजों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने पाया कि याचिकाकर्ता यह प्रमाणित करने में असफल रहे कि संबंधित मतदाताओं ने वास्तव में दो बार मतदान किया या उनके मतदान से चुनाव परिणाम पर तात्विक प्रभाव पड़ा। न्यायालय ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में किसी नाम का दो स्थानों पर दर्ज होना मात्र से चुनाव को अवैध नहीं ठहराया जा सकता, जब तक यह सिद्ध न हो कि उससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ है।

इन तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा प्रस्तुत चुनाव याचिका को निरस्त करते हुए महिपाल सिंह पंवार का निर्वाचन वैध माना।

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने समझदार उपभोक्ताओं के लिए एक नया, अभिनव लुक पेश किया

'ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस' की खास पहचान के साथ अब पहले से ज्यादा ऊंचे और आकर्षक, बेमिसाल डिजाइन में पेश की गई नई रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की मध्य प्रदेश, 09 मार्च 2026- पर्नोड रिकार्ड इंडिया की रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने अपनी नई और अलग पहचान पेश की है, जो समझदारी से चयन करने की उसकी फिलॉसफी को और मजबूत करती है। यह नया लुक एक आकर्षक और ऊंचे डिजाइन के साथ पेश किया गया है, जो उन लोगों के लिए है जो चयन की शक्ति और उत्कृष्ट शिल्प की कद्र करते हैं।

नए लुक में अब पहले से ज्यादा ऊंची और आकर्षक बोतल है, जो बेहद एलिगेंट दिखाई देती है। इसके साथ प्रीमियम क्लियर-ऑन-क्लियर लेबल दिया गया है, जो इस श्रेणी में पहली बार पेश किया गया है। इस उत्पाद को मास्टर ब्लेंडर केविन बाल्मफोर्थ का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी प्रामाणिकता और विशेषज्ञता को दर्शाता है। रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की की हर बोतल 'ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस' के भरोसे के साथ तैयार की जाती है। इसमें तीन बेहतरीन विशेषताएं शामिल हैं- सिलेक्ट इंडियन ग्रेन स्पिरिट्स, सिलेक्ट स्कॉच माल्ट्स और सिलेक्ट अमेरिकन ओक बैरल में परिपक्व किया गया मिश्रण। इसका परिणाम एक ऐसा बेहतरीन ब्लेंड है, जो उच्चतम स्तर की कारीगरी और गुणवत्ता को दर्शाता है। यह ब्रांड की उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसके तहत चुनिंदा और समझदार उपभोक्ताओं के लिए असाधारण स्वाद तैयार किया जाता है।

यह बदलाव ब्रांड की लंबे समय से चली आ रही फिलॉसफी क्राफ्टेड फॉर द सिलेक्ट फ्यू के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो सफलता की अपनी यात्रा में हमेशा सोच-समझकर और समझदारी से फैसले लेते हैं, बेहतर गुणवत्ता और विशिष्टता की ओर बढ़ते हैं और सामान्यता को छोड़कर वही चुनते हैं जो उनके मूल्यों और आकांक्षाओं को सही मायनों में दर्शाता है।

नए लुक के बारे में बताते हुए पर्नोड रिकार्ड इंडिया के जीएम-मार्केटिंग जॉयदीप बसुरॉय ने कहा, रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की का यह नया और अलग डिजाइन उस हर बात को दर्शाता है जिसके लिए यह ब्रांड जाना जाता है– समझदारी से चयन, प्रामाणिकता और प्रगतिशील सोच। ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस के साथ हम हर स्तर पर उत्कृष्ट शिल्पकला और अलग पहचान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करते हैं–चाहे वह बेहतरीन ब्लेंड हो या नया और अभिनव डिजाइन। यह उन लोगों के लिए एक सम्मान है जो सोच-समझकर चुनाव करते हैं और अलग पहचान बनाने की कोशिश करते हैं।

नए डिजाइन के साथ पेश की गई रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की उपभोक्ताओं को एक बेहतर अनुभव देने के लिए तैयार है, जो उनके परिष्कृत स्वाद और बढ़ती आकांक्षाओं के अनुरूप है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा कुन्ता पति राम सिंह आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 585/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक कुन्ता पति राम सिंग के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 13/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सायर बाई पति गोविन्द आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 581/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सायर बाई पति गोविन्द के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय नगर परिषद् उन्हेल, जिला-उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/391/राजस्व/2026 उन्हेल दिनांक 12/03/2026

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण एवं संबंधित कर दाताओं को सूचित किया जाता है कि, नगरीय क्षेत्र उन्हेल सीमा के भीतर वर्ष 2026–27 से कर एवं शुल्क में वृद्धि की गई है।जो दिनांक 01.04.2026 से लागू होगा। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

झोन कं.	दर	आर.सी.सी. छत युक्त पक्के भवन प्रति वर्गफुट		स्लैमेंट/लोहे की चद्दर, कवेलु युक्त पक्के भवन प्रति वर्गफुट		अन्य आंशिक पक्के या कच्चे भवन प्रति वर्गफुट		खुली भूमि प्रति वर्गफुट	
		व्यवसायीक	आवासीय	व्यवसायीक	आवासीय	व्यवसायीक	आवासीय	व्यवसायीक	आवासीय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	प्रचलित दर	9	8.5	7	6.5	6	5.5	5	4.5
	प्रस्तावित दर	10	9	8	7	7	6	6	5
02	प्रचलित दर	8	7.5	6	5.5	5	4.5	4	3.5
	प्रस्तावित दर	9	8	7	6	6	5	5	4

नोटः– झोन कं. 01 इंगोरिया रोड़ चौपाटी से कृषि उपज मण्डी की दोनो तरफ पट्टी से सब्जी मार्केट होते हुए कस्बा मंदिर सब्जी मार्केट से वाचनालय चौक से शांतिलाल जायसवाल के घर तक करोंदिया गली के पिछे कचहरी दरवाजा तक एवं सभी मुख्य मार्ग।

नोटः– झोन कं. 02 झोन कमांक 01 को छोड़कर शेष स्थान।

– गणना उपरांत वार्षिक भाड़ा मूय 2600 से कम होने पर केवल समेकितकर एवं कचरा संग्रहण शुल्क, वसूल किया जावेगा।

– गणना उपरांत वार्षिक भाड़ा मूय 2600 से अधिक किन्तु 4800 से कम होन पर समेकितकर, कचरा संग्रहण शुल्क एवं वार्षिक भाड़ा मूल्य का 3प्रतिशत नगर निकाय उपकर वसूल किया जावेगा।

– गणना उपरांत वार्षिक भाड़ा मूय 4800 से अधिक होने पर सम्पत्तिकर, समेकितकर, शिक्षा उपकर, नगर विकास उपकर, कचरा संग्रहण शुल्क वसुल किया जावेगा।

नोटः– जलकर आवासीय नल कनेक्शन की राशि रूपये 115/– प्रतिमाह से बढ़ाकर राशि रूपये 130/– प्रति माह की गई है। इसी प्रकार व्यवसायीक नल कनेक्शन की राशि रूपये 230/– प्रतिमाह से बढ़ाकर राशि रूपये 250/– प्रतिमाह की गई है।

नोटः– ठोस अपशिष्ट कचरा संग्रहण की राशि रूपये 400/– यथावत रहेगी। इसमें किसी प्रकार की वृद्धि नही की गई है।

नोटः– नामंतरण शुल्क (फोती नामंतरण) में शुल्क राशि रूपये 2000/– से बढ़ाकर राशि रूपये 2200/– की गई है।

नोटः– साहुकारी लाईसेंस नवीन/नवीनीकरण शुल्क राशि रूपये 3000/– से बढ़कार 3300/– की गई है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् उन्हेल जिला उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

विक्रमोत्सव में आज से अंतर्राष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव

25 से अधिक देशों की फिल्मों का होगा प्रदर्शन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रमोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार 13 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। महोत्सव का उद्घाटन आज सुबह 11 बजे कालिदास अकादमी के अभिरंग सभागृह में किया जाएगा। यह आयोजन 17 मार्च तक चलेगा, जिसमें दुनिया भर की पौराणिक कथाओं पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस सांस्कृतिक आयोजन में भारत सहित 25 से अधिक देशों की पौराणिक और सांस्कृतिक विरासत को फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। महोत्सव में भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों के साथ एशिया, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप के देशों की फिल्मों को भी रूपहले पर्दे पर दिखाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह महोत्सव विश्व की विविध पौराणिक परंपराओं को एक मंच पर लाने का प्रयास है, जिससे दर्शकों को अलग-अलग संस्कृतियों की झलक देखने का अवसर मिलेगा।

महोत्सव में रूस, फ्रांस, इंडोनेशिया, मॉरीशस, यूके, जर्मनी, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों की भागीदारी रहेगी। इन देशों की फिल्मों के माध्यम से उनकी प्राचीन कथाओं, मिथकों और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। कई देशों के राजनयिक और कलाकार पहुंचेंगे उज्जैन

महोत्सव की गरिमा बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के राजनयिक, फिल्म निर्माता और कलाकार उज्जैन पहुंच रहे हैं। फ्रांस से फिल्म प्रमुख मैथ्यू बेजोट और प्रसिद्ध अभिनेत्री मैरिएन बोर्गो शामिल होंगे। साथ ही इंडो-फ्रेंच फिल्म मेकर डॉ. रघुनाथ मानेत भी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

फिजी के हाई कमिश्नर जगन्नाथ सामी, मंगोलिया और आइसलैंड के एम्बेसडर गैनबोल्ड डंबजाव तथा साइप्रस के हाई कमिश्नर इवागोरस ब्रियोनाइड्स अपने परिवार के साथ इस आयोजन में उपस्थित रहेंगे।

जर्मनी से फिल्म डायरेक्टर राफेल स्टेम्पलेव्स्की और गूगल प्रतिनिधि सुज़ाना फ्रांसिस भी महोत्सव में भाग लेंगे। भारत की ओर से फिल्म निर्देशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, जयंत देशमुख और श्वेता मेहता सहित कई फिल्मकार शामिल होंगे।

इसके अलावा नेपाल, श्रीलंका, मेक्सिको, इंडोनेशिया और सूरीनाम जैसे देशों के प्रतिनिधि भी इस महोत्सव में भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को साझा करेंगे।आयोजकों के अनुसार यह महोत्सव उज्जैन की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ दर्शकों को विश्व की पौराणिक परंपराओं से परिचित कराने का माध्यम बनेगा।

विक्रम व्यापार वाहन मेले में 26 दिन में 16,434 वाहन बिके

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रमोत्सव के अंतर्गत उज्जैन में आयोजित विक्रम व्यापार वाहन मेला इस वर्ष भी चर्चा में है। 15 फरवरी से शुरू हुए इस मेले में 26 दिनों के भीतर 16 हजार 434 वाहनों की बिक्री हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग टैक्स में मिलने वाली 50 प्रतिशत छूट का लाभ उठाने के लिए उज्जैन पहुंच रहे हैं। मेले की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए वाहन डीलर्स ने इसकी अवधि 19 मार्च से बढ़ाकर 26 मार्च (रामनवमी) तक करने की मांग की है। वाहन डीलर्स का कहना है कि होली के दौरान करीब आठ दिनों तक होलाष्टक रहने के कारण वाहन खरीदने की परंपरा कम रहती है, जिससे बिक्री पर असर पड़ा है। वहीं चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के दौरान वाहन खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में यदि मेले की अवधि एक सप्ताह बढ़ा दी जाए तो बिक्री में और वृद्धि हो सकती है और लोगों को भी सुविधा मिलेगी। डीलर्स जल्द ही इस मांग को लेकर परिवहन मंत्री, परिवहन आयुक्त और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे।उल्लेखनीय है कि ग्वालियर की तर्ज पर उज्जैन में भी पिछले कुछ वर्षों से वाहन मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में परिवहन विभाग द्वारा नए वाहनों पर लगने वाले टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है, जिससे बड़ी संख्या में लोग नए वाहन खरीदने के लिए यहां पहुंचते हैं।

एक नजर अब तक हुई बिक्री पर

कुल बिक्री = 16,434 वाहन
टू-व्हीलर = 3,351
फोर-व्हीलर = 12,155
अन्य वाहन (ऑटो, ई-रिक्शा, लोडिंग वाहन) - 928

इंदौर से भी उज्जैन पहुंच रहे खरीदार- उज्जैन में वाहन मेले के कारण आसपास के शहरों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। खासकर इंदौर के कई लोग टैक्स में छूट का लाभ लेने के लिए उज्जैन आकर वाहन खरीद रहे हैं। इससे इंदौर का वाहन बाजार कुछ ठंडा पड़ गया है। हालांकि इंदौर के अधिकांश डीलर्स ने उज्जैन मेले में अपने स्टॉल लगा रखे हैं या फिर अपने शोरूम से वाहन बेचकर उनका रजिस्ट्रेशन उज्जैन में करवा रहे हैं। इससे डीलर्स को नुकसान नहीं हो रहा, लेकिन इंदौर आरटीओ को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एमआईसी सदस्यों ने की अपने अपने विभागों से सम्बंधित प्रस्तावित बजट पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को ध्यान में रखते हुए एमआईसी सदस्यों द्वारा गुरुवार को अपने-अपने विभागों से संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में बजट पर विस्तृत चर्चा की गई चर्चा उपरांत 16 मार्च सोमवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल की उपस्थिति में बजट पर चर्चा होगी।

बैठक में एमआईसी सदस्य श्री अनिल गुप्ता द्वारा जनसम्पर्क, स्टोर, सामान्य प्रशासन एवं पुस्तकालय विभाग, श्री शिवेन्द्र तिवारी द्वारा सिंहस्थ प्रकोष्ठ एवं शिल्पज्ञ विभाग, श्री सत्यनारायण चौहान द्वारा स्वास्थ्य एवं एसबीएम विभाग, डॉ योगेशवरी राठौर द्वारा सुचना प्रोद्योगिकी, श्री रजत मेहता द्वारा राजस्व एवं सम्पत्तिकर विभाग के अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारियों के साथ वर्ष 2026-27 हेतु प्रस्तावित बजट पर विस्तृत चर्चा करते हुए मदवार जानकारी प्राप्त की, मद में की गई कटोत्री अथवा वृद्धि की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही नवीन मदों के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभाग प्रमुख द्वारा प्रस्तावित बजट में उल्लेखित मदों की विस्तृत जानकारी प्रभारी सदस्यों को दी गई। बैठक में प्रभारी सदस्य अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर, श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री मनोज मौर्य, श्री संजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त श्री प्रफुल्ल गठरे, श्री राघवेन्द्र सिंह पालिया, अधिक्षण यंत्री श्री संतोष गुप्ता एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

गैस संकटः दो दिन की बची सप्लाई, रेस्टोरेंट संचालक कोयले-लकड़ी पर बनाएंगे खाना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय हालात का असर अब महाकाल की नगरी में भी दिखने लगा है।इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई प्रभावित होने लगी है। इसका सीधा असर महाकाल मंदिर क्षेत्र सहित शहर के अन्य हिस्सों में संचालित रेस्टोरेंट और भोजनालयों पर पड़ा है। हालात यह हैं कि करीब 350 से अधिक रेस्टोरेंट संचालकों के पास महज दो दिन का ही गैस स्टॉक बचा है। स्थिति बिगड़ती देख कई संचालकों ने अब कोयले और लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

महाकाल मंदिर में प्रतिदिन करीब एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें से बड़ी संख्या मंदिर के आसपास के रेस्टोरेंट और भोजनालयों में भोजन करती है। ऐसे में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी ने भोजन व्यवस्था को लेकर बड़ी चिंता खड़ी कर दी है। यदि जल्द सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं को भोजन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

सिलेंडर कम, खाना बनने में देरी- महाकाल मंदिर क्षेत्र में संचालित भोजनालय संचालकों ने बताया किउनके यहां सामान्य दिनों में हर दूसरे दिन तीन कमर्शियल गैस सिलेंडर लगते हैं। मंगलवार को एक सिलेंडर की बुकिंग की गई थी, लेकिन दोपहर तक सप्लाई नहीं पहुंची। मजबूरी में दो सिलेंडरों पर ही खाना बनाना पड़ा, जिससे भोजन तैयार होने में करीब डेढ़ घंटे की देरी हुई।

उन्होंने बताया कि पहले रोजाना चार सिलेंडर की खपत होती थी, लेकिन अब सप्लाई घटने के कारण तीन सिलेंडरों से ही काम चलाना पड़ रहा है। मांग के मुकाबले करीब 50 प्रतिशत कम गैस मिल रही है, जिससे रेस्टोरेंट संचालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

कोयला-लकड़ी का सहारा लेने की तैयारी- उज्जैन बस स्टैंड क्षेत्र के भोजनालय संचालकों ने बताया कि उनके यहां सप्ताह में करीब तीन सिलेंडर लगते हैं। फिलहाल स्टॉक में तीन सिलेंडर मौजूद हैं, लेकिन आगे की बुकिंग को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। गैस एजेंसी में फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो मजबूरन कोयला और लकड़ी के चूल्हों का सहारा लेना पड़ेगा, ताकि भोजनालय का संचालन बंद न करना पड़े।

गैस एजेंसियों पर बढ़ी भीड़- इधर शहर की गैस एजेंसियों पर भी सुबह से ही लोगों की भीड़ देखी जा रही है। एजेंसी कर्मचारियों का कहना है कि फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडर केवल ऑनलाइन बुकिंग के जरिए ही दिए जा रहे हैं। बुकिंग के बाद भी सिलेंडर मिलने में करीब 20 से 25 दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। बिना केवाईसी के किसी भी उपभोक्ता को सिलेंडर नहीं दिया जा रहा।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर असर की आशंका- रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि यदि जल्द कमर्शियल गैस की सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की भोजन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। महाकाल क्षेत्र में रोजाना हजारों श्रद्धालु भोजन के लिए इन भोजनालयों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में गैस संकट का असर सीधे धार्मिक पर्यटन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर पड़ सकता है।